माघ कृष्ण - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 170 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 14-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी'

6 दान, ध्यान और स्नान का पर्व है मकर संक्रांति

4 अन्याय करने वालों की नाक रगड़वाकर दिलाएंगे हक का पैसा : बेनीवाल

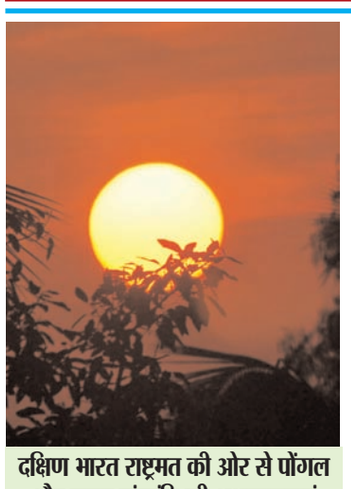

दक्षिण भारत राष्ट्रमत की ओर से पोंगल और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के कार्यालय में पोंगल / मकर संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को सम्पूर्ण अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 16 जनवरी को प्रकाशित होगा। - व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

भारत ने बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त नूर-अल-इस्लाम को तलब किया और उन्हें बताया कि भारत ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा पर बाड़ लगाने के निर्माण में सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया है। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को पड़ोसी देश के विदेश मंत्रालय द्वारा तलब किए जाने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ''गतिविधियों'' पर अपनी ''गहरी चिंता'' व्यक्त करने के एक दिन बाद भारत ने यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नूर-अल-इस्लाम को बताया गया कि भारत ने सीमा पर सुरक्षा उपायों के संबंध में दोनों सरकारों के बीच सभी प्रोटोकॉल और समझौतों का पालन किया है। भारत ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश द्वारा पूर्व में दोनों देशों के बीच बनी सभी सहमतियों को लागू किया जाएगा तथा सीमा के आर-पार अपराधों से निपटने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में 6.9 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो/एपी। दक्षिण-पश्चिमी जापान में सोमवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के बाद सुनामी की आशंका के कारण लोगों को तटीय क्षेत्रों से दूर रहने को कहा गया, लेकिन बाद में सुनामी की चेतावनी वापस ले ली गई। किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। एहतियात के तौर पर कुछ तटीय क्षेत्रों के निवासियों को वहां से हटने को कहा गया।

14-01-2025 सूर्यास्त 6:01 बजे	15-01-2025 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
76,330.01 (-1,048.90)	23,085.95 (-345.55)

सोना	चांदी
8,245 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

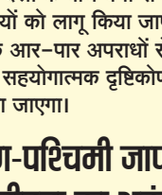

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युग सुरसा

कब वक्त रहा सस्ताई का,
केवल यह सबको भ्रम भाई।
सब मांग पूर्ति का संतुलन,
बाजार बना सबका सांई।
कुछ की दर घटा बढ़ा कुछ कर,
भ्रम फैलाते हैं सौदाई।
सरकार बने दातार मगर,
युग सुरसा है यह मँहगाई।।

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के प्रतीक

'महाकुंभ' की हुई शुरुआत

पहले स्नान पर्व पर 1.65 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई, श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ महाकुंभ मेला सोमवार से प्रारंभ हो गया। मेल प्रशासन के मुताबिक, सोमवार को शाम छह बजे तक 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान, श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी श्रद्धालुओं, संत महात्माओं, कल्पवासियों और आगंतुकों का स्वागत करते हुए महाकुंभ के प्रथम स्नान की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महाकुंभ को भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक बताया।

मेला प्रशासन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि महाकुंभ 2025 के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को शाम छह बजे तक 1.65 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

मेला प्रशासन के मुताबिक, पहले स्नान पर्व के दौरान सभी घाटों और अखाड़ों पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की गई। उसने बताया कि उद्यान विभाग ने पुष्पवर्षा के लिए खासतौर पर गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की थी और महाकुंभ के सभी स्नान पर्वों पर लगभग 20 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियां बरसाने की तैयारी है।

पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए तीर्थ पुरोहित राजेंद्र मिश्र ने बताया कि पौष माह के शुक्ल पक्ष के 15वें दिन पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान से सभी तरह के पाप मिट जाते हैं। उन्होंने कहा, पौष पूर्णिमा के साथ एक महीने तक चलने वाला कल्पवास भी आज से प्रारंभ हो गया। इस दौरान लोग एक माह तक तीनों समय गंगा स्नान कर एक प्रकार का तप वाला जीवन व्यतीत करते हैं और भगवान के भजन गाते हैं।

महाकुंभ भारत की सनातन विरासत का प्रतीक : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारतीय मूल्यों और संस्कृति को धारण करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक विशेष दिवस महाकुंभ 2025 प्रयागराज में प्रारंभ हो चुका है, जहां असंख्य लोग आस्था, समर्पण और संस्कृति के एक पवित्र संगम में एकत्र हो रहे हैं। महाकुंभ भारत की सनातन विरासत का प्रतीक है। उन्होंने लिखा, मैं असंख्य लोगों के वहां आकर डुबकी लगाते और संतों का आशीर्वाद लेते देखकर अभिभूत हूं। सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के शानदार प्रवास की कामना करता हूं।

मेला क्षेत्र में स्नान के बाद लोगों की भीड़ अखाड़ों में नागा साधुओं का आशीर्वाद लेती हुई दिख रही है। वहीं, सेक्टर-16 में स्थित किन्नर अखाड़ा में भी भारी संख्या में लोग किन्नर संतों का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं।

कम धन आवंटन कर

केंद्र ने कर्नाटक को धोखा दिया : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्यों को आवंटित 1,73,030 करोड़ रुपये में से मात्र 6,310 करोड़ रुपये आवंटित कर राज्य के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने इस 'विश्वासघात' के खिलाफ चुप्पी साधने के लिए भाजपा की कर्नाटक इकाई के नेताओं की भी आलोचना की।

सिद्दरामय्या ने एक बयान में कहा कि उन्होंने जानबूझकर कुछ दिन इंतजार किया और उन्हें उम्मीद थी कि कर्नाटक में भाजपा नेता कन्नड़ लोगों के लिए कुछ बोलने का साहस जुटाएंगे, जो वे नहीं कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के हक के लिए लड़ने के बजाय वे (भाजपा नेता) प्रदेश के साथ इस गंभीर विश्वासघात के लिए मोदी की प्रशंसा करने में व्यस्त हैं। उन्होंने पूछा कि क्या 'कर्नाटक से उसका हक छीने जाने के बावजूद दिल्ली के आगे झुकना' ही भाजपा नेताओं का नेतृत्व है।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार) सरकार का कर्नाटक के साथ विश्वासघात पूरे जोरों पर है। राज्यों को आवंटित 1,73,030 करोड़ रुपये में से कर्नाटक को मात्र 6,310 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जो पिछली किस्तों की तुलना में चौंकाने वाली गिरावट है।

तमिलनाडु के इरोड में पुलिस उपनिरीक्षक ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड (तमिलनाडु)/भाषा। इरोड में 38 वर्षीय पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) ने सोमवार को अपने आवास में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। इरोड टाउन थाने में एसआई के रूप में कार्यरत शशिकुमार रविवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद अराचलुर स्थित अपने घर के लिए रवाना हुए थे।

सोमवार सुबह करीब सात बजे शशिकुमार ने अपने उच्च अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया, लेकिन सुबह 11 बजे तक जब उनके घर के दरवाजे बंद रहे तो पड़ोसियों को शक हुआ। पुलिस ने बताया कि वह उनके घर गए और देखा की शशिकुमार ने फांसी लगा ली है।

पुलिस ने बताया कि पड़ोसियों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दोपहर के समय उन्हें इरोड सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

अराचलुर पुलिस ने आत्महत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मौत से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

'पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र'

वहीं से जम्मू-कश्मीर में हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा : सेनाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का 'केंद्र' है और वहीं से जम्मू-कश्मीर में हिंसा के कुचक्र को 'संचालित' किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश की समग्र स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रण में बताया।

सेना दिवस से पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से पर्यटन की तरफ ले जाने की 'थीम' धीरे-धीरे आकार ले रही है। उन्होंने कहा कि सेना को आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए आपातकालीन खरीद के लिए भी अनुमति दे दी गई है।

थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तानी सेना के साथ 2021 का 'संघर्ष विराम' जारी है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं।

तनाव कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम के तहत भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं ने 25 फरवरी, 2021 को घोषणा की कि वे 2003 के युद्धविराम समझौते के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हुए एलओसी पर गोलीबारी बंद कर देंगी।

जनरल द्विवेदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में हिंसा 'आतंकवाद के केंद्र पाकिस्तान' द्वारा 'संचालित' किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ महीनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। सेना प्रमुख ने कहा, पिछले साल मारे गए आतंकवादियों में से 60 प्रतिशत पाकिस्तान मूल के थे। आज तक (कश्मीर) घाटी और जम्मू क्षेत्र में जो भी शेष बचे हैं, हमें लगता है कि उनमें से लगभग 80 प्रतिशत या उससे अधिक पाकिस्तान मूल के हैं।

जनरल द्विवेदी ने जोर देकर कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में स्थिति 'पूरी तरह से नियंत्रण में' है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सीमा पर आतंकी ढांचा ''बरकरार'' है।

मोदी अपने वादों को पूरा करेगा, सही समय पर सही चीजें होंगी : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह जम्मू कश्मीर के लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा करेंगे। परोक्ष रूप से उनका यह इशारा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की ओर था।

मोदी यहां कश्मीर को सोनमर्ग से जोड़ने वाली 6.4 किलोमीटर लंबी रणनीतिक सुरंग का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस सुरंग का निर्माण 2,700 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।

इससे पहले अपने संबोधन के दौरान अब्दुल्ला ने पिछले साल सितंबर में विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री द्वारा किए गए वादे के अनुसार जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने पर जोर दिया और कहा, मेरा दिल मानता है कि आप जल्द ही इस वादे को पूरा करेंगे।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का जिक्र किए बगैर कहा, आपको विश्वास करना होगा कि यह मोदी है और वह अपने वादे पूरे करता है। हर चीज के लिए एक सही समय होता है और सही चीजें सही समय पर ही होंगी।

अब्दुल्ला ने मोदी का स्वागत करते हुए पिछले साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दिए गए उनके भाषण का जिक्र किया और कहा, आपने अपने कार्यक्रम में तीन बहुत महत्वपूर्ण बिंदु रखे। आपने 'दिल की दूरी' और 'दिल्ली से दूरी' की बात की और कहा कि आप इन दोनों चीजों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री ने 15 दिनों के भीतर जम्मू-कश्मीर में दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पिछले सप्ताह मोदी ने जम्मू रेलवे मंडल का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया था।

यूरोपीय संघ के साथ करीबी साझेदारी का इच्छुक भारत

मैड्रिड/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत यूरोपीय संघ के साथ घनिष्ठ साझेदारी का इच्छुक है और यह भागीदारी भविष्य में भूमध्यसागरीय क्षेत्र में अधिक दिखाई देगी। वह स्पेन के अपने समकक्ष जोस मैनुअल अल्बेरेस के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे।

जयशंकर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। यह विदेश मंत्री के रूप में उनकी पहली स्पेन यात्रा है और यह स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की भारत यात्रा के लगभग ढाई महीने बाद हुई है।

बैठक के बाद विदेश मंत्री अल्बेरेस के साथ प्रेस से बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत में 230 स्पेनी कंपनियां हैं।

उन्होंने कहा, ''जब हम अपने द्विपक्षीय व्यापार को देखते हैं, तो यह लगभग 10 अरब यूरो का है। रेलवे, डिजिटल और शहरी प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट शहरों, हरित और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में भारी संभावनाएं हैं।''

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि भारत स्पेन के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा, ''हम अपनी सेनाओं के बीच सहयोग को महत्व देते हैं।''

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान देश की 'सच्ची स्वतंत्रता' प्रतिष्ठित हुई : भागवत

इंदौर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तिथि 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जानी चाहिए, क्योंकि कई सदियों से परचक्र (दुश्मन का आक्रमण) झेलने वाले भारत की सच्ची स्वतंत्रता इस दिन प्रतिष्ठित हुई थी।

भागवत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय को इंदौर में 'राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार' प्रदान करने के बाद एक समारोह में यह बात कही।

राय को यह पुरस्कार ऐसे वक्त प्रदान किया गया, जब अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर बने मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा को हिंदू पंचांग के मुताबिक 11 जनवरी को एक साल पूरा हुआ है।

संघ प्रमुख ने पुरस्कार समारोह में कहा कि राम मंदिर आंदोलन किसी का विरोध करने के लिए शुरू नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन भारत का 'स्व' जागृत करने के लिए शुरू किया गया था, ताकि देश अपने पैरों पर खड़ा होकर दुनिया को रास्ता दिखा सके।

दिल कहता है प्रधानमंत्री बहुत जल्द अपना वादा पूरा करेंगे : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनमर्ग (जम्मू कश्मीर)/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिल और दिल्ली के बीच की खाई को पाटने और केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा जल्द ही पूरा करेंगे।

प्रधानमंत्री द्वारा गांदरबल जिले में 6.5 किलोमीटर लंबी जेड-मोड़ सुरंग (जिसे 'सोनमर्ग सुरंग' नाम दिया गया है) का उद्घाटन किए जाने के बाद एक सभा में मुख्यमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत पिछले साल 20 अक्टूबर को सुरंग स्थल के पास हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सात लोगों को श्रद्धांजलि देकर की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की सुरक्षा के अलावा शांति और विकास सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद को परास्त किया जाएगा।

अब्दुल्ला ने कहा, प्रधानमंत्री जी, जब आप तीसरी बार सत्ता में आने के बाद श्रीनगर में एक कार्यक्रम के लिए आए तो लोगों ने आपकी बातों पर विश्वास करना शुरू कर दिया। आपने तीन महत्वपूर्ण चीजों के बारे में बात की, जिसमें 'दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी' के बीच की खाई को पाटने के आपके प्रयास शामिल हैं, और आपने अपने काम से इसे साबित भी किया है। उन्होंने, यह अलग जम्मू रेलवे मंडल का उद्घाटन (दिल्ली से डिजिटल

माध्यम से) करने के बाद 15 दिनों के भीतर जम्मू कश्मीर में आपका दूसरा समारोह है। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा, आपने चार महीने के भीतर (विधानसभा) चुनाव कराने का भी वादा किया था और आप अपनी बातों पर खरे उतरे। लोगों को मतदान में हिस्सा लेने का मौका मिला और आज मैं मुख्यमंत्री के तौर पर इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहा हूं। पिछले साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर की यात्रा के दौरान मोदी के भाषण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द आप जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया अपना तीसरा वादा पूरा करेंगे, जो केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करना है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति में मुख्यमंत्री द्वारा पूर्ण राज्य के दर्जे संबंधी टिप्पणी का वहां मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। तीन महीने पहले उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली जम्मू-कश्मीर यात्रा है। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच बनाई गई 6.5 किलोमीटर लंबी दो लेन वाली सुरंग में आपात स्थिति के लिए समानांतर 7.5 मीटर चौड़ा निकासी मार्ग भी है। यह सुरंग दो दिशाओं के यातायात के लिए होगी।

समुद्र तल से 8,650 फुट की ऊंचाई पर स्थित यह सुरंग भूस्खलन और हिमस्खलन वाले मार्गों से अलग लेह के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच सभी मौसम में संपर्क को कायम रखेगी।

मप्र सरकार धार्मिक महत्व वाले शहरों में शराबबंदी पर विचार कर रही है: यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार धार्मिक महत्व वाले शहरों में शराबबंदी पर विचार कर रही है ताकि इन स्थानों की पवित्रता बरकरार रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक महत्व वाले शहरों में शराब (बिक्री और सेवन) के कारण माहौल बिगड़ने की शिकायतें मिल रही हैं।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार नीति में सुधार करके धार्मिक महत्व वाले शहरों में शराब पर प्रतिबंध लागू करने का विचार कर रही है और इस संबंध में संतों द्वारा दिए गए सुझावों को लेकर गंभीर है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल्द इस दिशा में निर्णय लेकर ठोस कदम उठाएगी।

विचारधारा की कमी के कारण बिखर रहा है 'इंडि' गठबंधन : बावनकुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन बिखर रहा है क्योंकि उसके पास देश के विकास के लिए कोई विचारधारा और नीति नहीं है।

बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन टूट और बिखर चुका है तथा महाराष्ट्र में शिवसेना (उबाठा) कांग्रेस के खिलाफ है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, राष्ट्र के विकास के लिए इंडिया गठबंधन के पास कोई नीति नहीं है। वे सत्ता के लिए एक साथ आए थे और अब सत्ता के बिना गठबंधन के सभी नेता बिखर गए हैं। महाराष्ट्र में भी आप देख सकते हैं कि शिवसेना(उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और शरद पवार कांग्रेस के खिलाफ हैं क्योंकि उनके पास कोई विचारधारा नहीं है।

महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन की एक विचारधारा और प्रगतिशील दृष्टिकोण है और यह हमेशा एकजुट रहेगा।

बावनकुले ने कहा कि संरक्षक मंत्रियों की नियुक्ति के बारे में अंतिम निर्णय 15-16 जनवरी तक लिया जाएगा और इस संबंध में मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्रियों ने दो से तीन बैठकें बुलाई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना जारी रहेगी और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन, फर्जी लाभार्थियों को भत्ता देना बंद कर दिया जाएगा। सरकार ने पहले घोषणा की थी कि वह लाडकी बहिन योजना के फर्जी लाभार्थियों के बारे में शिकायतों का समाधान करेगी और सत्यापन के लिए आयकर और परिवहन विभाग से जानकारी प्राप्त करेगी।

क्या केजरीवाल खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं : कैग रिपोर्ट को लेकर बोली भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली सरकार द्वारा कैग रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं करने को लेकर सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और उनसे सवाल किया कि क्या वह खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पेश करनी होती है, जो उसके राजस्व और व्यय की जांच करती है, लेकिन आप सरकार ने ऐसा नहीं किया है।

उन्होंने कहा, क्या वह (केजरीवाल) खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी का ''अराजकतावादी चरित्र'' संवैधानिक व्यवस्था में फैल रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के

वित्त से संबंधित कैग की लगभग एक दर्जन रिपोर्ट हैं, लेकिन आप सरकार ने इन्हें विधानसभा में पेश करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि इसकी कोई जरूरत नहीं है।

कैग ने अपनी रिपोर्ट में आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की कुछ नीतियों की आलोचना की है जिसमें सरकारी खजाने को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने के लिए अब रद्द हो चुकी आबकारी नीति भी शामिल है।

केजरीवाल पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और सोनिया गांधी सत्तारूढ़ गठबंधन की अध्यक्ष थीं, तब वह (आप प्रमुख) कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार पर ''पीएम और सुपर पीएम (प्रधानमंत्री)'' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कटाक्ष करते थे और अब वह स्वयं ''सुपर सीएम (मुख्यमंत्री)'' की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप दिल्ली में संख्यात्मक रूप से सबसे मजबूत सरकारों में से एक का नेतृत्व कर रही है लेकिन इसके बावजूद, केजरीवाल ने बहाने बनाने और शिकायत करने के अलावा कुछ नहीं किया है।

भाजपा प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा अपने प्रचार अभियान के लिए चंदा जुटाने को भी नौटंकी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक मुखौटा है, ठीक उसी तरह जैसे वह एक मुख्यमंत्री के रूप में मुखौटा हैं जबकि केजरीवाल ''सुपर सीएम'' की तरह काम करते हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि अगर राजनीति में विश्वसनीयता के संकट की धारणा है, तो दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री इसके ''मूर्तरूप'' हैं।

सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात सैनिकों को अब मिलेगी हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर तैनात सैन्यकर्मी अब हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। एक दूरसंचार कंपनी ने यह जानकारी दी।

रिलायंस जियो ने बताया कि 15 जनवरी को सेना दिवस से पहले, कंपनी ने भारतीय सेना के साथ मिलकर सियाचिन ग्लेशियर तक अपने 4 जी और 5 जी नेटवर्क का विस्तार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रिलायंस जियो की प्रवक्ता ने कहा, सेना के सिग्नल कर्मियों के सहयोग से, रिलायंस जियो इस दुर्गम क्षेत्र में निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली पहली दूरसंचार सेवा कंपनी बन गई है। उन्होंने बताया कि रिलायंस जियो ने अपनी स्वदेशी फुल-स्टैक 5जी तकनीक का इस्तेमाल करते हुए एक अग्रिम चौकी पर 'प्लग-एंड-प्ले प्री-कॉन्फ़िगर' उपकरण को सफलतापूर्वक तैनात किया। दूरसंचार कंपनी की प्रवक्ता ने कहा, यह उपलब्धि सेना के सिग्नल कर्मियों के साथ समन्वय से संभव हुई, जिसमें योजना से लेकर कई प्रशिक्षण सत्र, सिस्टम प्री-कॉन्फ़िगरेशन और व्यापक परीक्षण शामिल हैं। सियाचिन ग्लेशियर में जियो के उपकरणों को विमान से पहुंचाने सहित साजो-सामान के प्रबंधन में भारतीय सेना महत्वपूर्ण भूमिका में थी। प्रवक्ता ने कहा, इस सहयोग से कराकोरम पर्वतमाला में 16,000 फुट की ऊंचाई पर कनेक्टिविटी सुनिश्चित हुई।

आप नेता सत्येंद्र जैन की मानहानि याचिका राजनीति से प्रेरित: भाजपा की बांसुरी स्वराज ने अदालत में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येंद्र जैन द्वारा दिल्ली की एक अदालत में उनके विरुद्ध दर्ज करायी गई मानहानि की शिकायत 'राजनीति से प्रेरित' है।

स्वराज के वकील ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल के समक्ष दलील दी कि इस मामले के तथ्य सार्वजनिक हैं और इसे मानहानि के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। वकील ने कहा, इस मामले में समय का बड़ा महत्व है, क्योंकि शिकायतकर्ता चुनाव लड़ रहा है। यह याचिका राजनीति से प्रेरित है और इसे राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए दायर किया गया है।

जैन के वकील ने इन दलीलों का विरोध किया और कहा कि स्वराज के बयान 'तथ्यों के विपरीत हैं। अदालत ने मामले को 22 जनवरी के लिए स्थगित कर दिया।

जैन ने आरोप लगाया कि स्वराज ने पांच अक्टूबर, 2023 को एक समाचार चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिसे लाखों लोगों ने देखा।

उनकी शिकायत के अनुसार, स्वराज ने जैन के घर से 1.8 किलोग्राम सोने और सोने के 133 सिक्कों के अलावा तीन करोड़ रुपए नकद मिलने के 'झूठे दावे' किए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि स्वराज ने उन्हें 'भ्रष्ट और धोखेबाज' बताते हुए अनुचित राजनीतिक लाभ लेने और बदनाम करने के लिए झूठे बयान दिए।

अंतरिक्ष में एमिटी यूनिवर्सिटी के पालक के कॉलस ऊतक में दिखे वृद्धि के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एमिटी यूनिवर्सिटी-मुंबई द्वारा अंतरिक्ष में भेजे गए पालक के कॉलस ऊतक में वृद्धि के संकेत दिखे हैं। वैज्ञानिक प्रयोग के लिए पालक का ऊतक 350 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे 'पीओईएम-4 मॉड्यूल' में मौजूद है।

सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के तहत अंतरिक्ष में पौधे उगाना अंतरिक्ष जैविक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और लंबी अवधि के मानवयुक्त अभियानों के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक उपयोगी गतिविधि है।

एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई के कुलपति ए. डब्ल्यू संतोष

कुमार ने कहा, पीओईएम-4 प्लेटफॉर्म से प्राप्त शुरुआती आंकड़ों में पालक कॉलस में वृद्धि के संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि इसरो से प्राप्त डेटा आशाजनक है और उपकरण अच्छी हालत में है।

कुमार ने कहा कि पारंपरिक बीजों के बजाय कॉलस ऊतक को उगाने का निर्णय इसलिए लिया गया, क्योंकि इससे शोधकर्ताओं को रंग संबंधी निगरानी के माध्यम से घटनाक्रम पर अधिक आसानी से नजर रखने में मदद मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में रखे एक समान मॉड्यूल में कॉलस में समान वृद्धि देखी गई है।

कुमार ने कहा, इस प्रयोग का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष अभियानों के दौरान भोजन और पोषण की संभावनाओं पर विशेष रूप से कॉलस के माध्यम से पौधों की वृद्धि का पता लगाना है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 15.88% बढ़कर 16.90 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 15.88 प्रतिशत बढ़कर लगभग 16.90 लाख करोड़ रुपए रहा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के आंकड़ों के अनुसार, गैर-कंपनी कर संग्रह 8.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। इसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर कर शामिल है। चालू वित्त वर्ष में अबतक (12 जनवरी, 2025 तक) शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह लगभग 7.68 लाख करोड़ रुपए रहा है।

वहीं शुद्ध रूप से प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 44,538 करोड़ रुपए रहा है। इस अवधि के दौरान 3.74 लाख करोड़ रुपए से अधिक के 'रिफंड' जारी किए गए। यह एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 42.49 प्रतिशत अधिक है। एक अप्रैल से 12 जनवरी के बीच सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 प्रतिशत बढ़कर 20.64 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष करों से 22.07 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसमें 10.20 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट कर संग्रह, 11.87 लाख करोड़ रुपए का व्यक्तिगत आयकर और अन्य कर शामिल हैं।

चार दिन की गिरावट में डूब गए निवेशकों के 24.69 लाख करोड़ रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शेयर बाजार में पिछले चार दिन से जारी तगड़ी बिकवाली के बीच निवेशकों को कुल 24.69 लाख करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में 1,048.90 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ।

इसके साथ ही चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स में कुल 1,869.1 अंक यानी 2.39 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

इस तरह बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 24,69,243.3 करोड़ रुपए घटकर 4,17,05,906.74 करोड़ रुपए (4.82 लाख करोड़ डॉलर) पर आ गया।

अकेले सोमवार को ही निवेशकों की पूंजी में 12.61 लाख करोड़ रुपए की बड़ी गिरावट आई।

बाजार में चौतरफा बिकवाली के बीच बीएसई मिडकैप सूचकांक में 4.17 प्रतिशत और स्मॉलकैप में 4.14 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

किसान संगठनों ने बैठक के बाद एकजुट होकर लड़ने पर जोर दिया

चंडीगढ़/भाषा। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेताओं ने पंजाब और हरियाणा की सीमाओं पर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे दो किसान संगठनों के साथ सोमवार को बैठक की, ताकि केंद्र पर उनकी मांगों को स्वीकार करने के लिए दबाव बनाया जा सके और एक संयुक्त आंदोलन किया जा सके। किसान नेताओं ने कहा कि लड़ाई जीतने के लिए जनता का समर्थन बहुत जरूरी है।

किसान संगठनों के बीच एकता पर जोर देते हुए तीनों संगठनों के नेताओं ने फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों के लिए एकजुट लड़ाई की रूपरेखा तैयार करने को लेकर 18 जनवरी को एक और बैठक आयोजित करने का फैसला किया। एसकेएम ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020 के आंदोलन का नेतृत्व किया था। बाद में ये कानून निरस्त कर दिए गए।

संयुक्त किसान मोर्चा फिलहाल एसकेएम (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के आंदोलन का हिस्सा नहीं है। पिछले साल 13 फरवरी से खनौरी और शंभू सीमा स्थलों पर किसानों के दिल्ली मार्च को सुरक्षा बलों ने रोक दिया था।

डेढ़ महीने से अधिक समय से भूख हड़ताल कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के ''बिगड़ते'' स्वास्थ्य के मद्देनजर प्रदर्शनकारी किसानों के अनुरोध पर बैठक 15 जनवरी के बजाय 13 जनवरी को की गई। एसकेएम नेता जोगिंदर सिंह उगराहां, बलबीर सिंह राजेवाल, दर्शन पाल, रमिंदर पटियाला और युद्धवीर सिंह ने पटियाला के पतरान में आयोजित दो घंटे की बैठक में भाग लिया।

देश की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 16% बढ़कर 210 गीगावाट के करीब पहुंची

नई दिल्ली/भाषा। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता दिसंबर, 2024 तक 15.84 प्रतिशत बढ़कर 209.44 गीगावाट हो गई। सोमवार को जारी एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। स्थापित क्षमता में यह रिकॉर्ड बढ़ोतरी है। एक साल पहले दिसंबर, 2023 तक स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 180.80 गीगावाट थी। वर्ष 2024 के दौरान जोड़ी गई कुल क्षमता एक साल पहले जोड़े गए 13.05 गीगावाट से दोगुनी से अधिक 28.64 गीगावाट हो गई।

संवाद बंद होने पर कोई भी गठबंधन सफल नहीं हो सकता: संजय राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की शिवसेना (उबाठा) की घोषणा के कुछ दिनों बाद पार्टी नेता संजय राउत ने सोमवार को कहा कि यदि सहयोगियों के बीच संवाद बंद हो जाए तो कोई भी गठबंधन सफल नहीं हो सकता।

राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सहयोगियों के बीच संवाद बनाए रखने के लिए ''जिम्मेदार नेताओं'' की नियुक्ति की जरूरत है और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस को यह भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन सहयोगियों के खिलाफ चुनाव लड़ने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन ऐसे मामलों में किसी भी

पार्टी को अपने पूर्व या संभावित भावी सहयोगियों को ''धोखेबाज'' नहीं कहना चाहिए। राउत ने शनिवार को किसी गठबंधन में शामिल दलों के कार्यकर्ताओं को अवसर नहीं मिलने और संगठनात्मक विकास के अधिकार को अकेले चुनाव लड़ने के प्रमुख कारणों के रूप में उद्धृत किया था, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकता पर सवालिया निशान खड़ा हो गया था। राज्यसभा सदस्य राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अपना आधार मजबूत करने के लिए स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ना चाहती है और उसने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' या महा विकास आघाडी (एमवीए) को भंग करने की मांग कभी नहीं की। 'इंडिया' और एमवीए गठबंधनों में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। राउत ने सोमवार को 'इंडि' गठबंधन के बारे में कहा, हम सभी की सामूहिक इच्छा है कि इस देश के राजनीतिक परिदृश्य में आगे बढ़ें। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में, हमारे कुछ गठबंधन सहयोगियों ने यह रुख अपनाया है कि संवाद टूट गया है। अगर संवाद टूट गया तो कोई भी गठबंधन सफल नहीं हो सकता। उन्होंने दावा किया कि 2019 में शिवसेना-भाजपा गठबंधन टूट गया क्योंकि दोनों के बीच संवाद बंद हो गया था। उन्होंने कहा, उचित संचार और संवाद की कमी सीधे तौर पर गठबंधन के टूटने के लिए जिम्मेदार रही। राउत ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में करीब 30 दल हैं और उन सभी के साथ संवाद बनाए रखने के लिए कुछ जिम्मेदार नेताओं को नियुक्त करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उद्धव ने 'इंडिया' गठबंधन की बैठकों के दौरान बार-बार इस बात पर जोर दिया है और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाया है।

प्रधानमंत्री 75 साल का होने के करीब, रुपया पहले ही डॉलर के मुकाबले 86 पार हुआ: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में गिरावट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह इस साल के उत्तरार्द्ध में 75 साल का होने की तैयारी कर रहे हैं और रुपया पहले ही डॉलर के मुकाबले 86 पार चुका है।

रुपए में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और 57 पैसे टूटकर 86.61 (अस्थायी) प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने

'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था, तब वह 64 वर्ष के होने वाले थे और डॉलर के मुक़ाबले रुपया 58.58 पर था। उस समय वह रुपए को मज़बूत करने को लेकर बहुत कुछ बोला करते थे। उन्होंने इसके मूल्य में गिरावट को पूर्व प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) की उम्र से भी जोड़ दिया था। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, अब देखिए, मोदी जी इस वर्ष के अंत तक 75 साल का होने की तैयारी ही कर रहे हैं और रुपया पहले ही डॉलर के मुक़ाबले 86 पार चुका है। रमेश ने दावा किया कि जैसे-जैसे रुपया गिरता जा रहा है, मोदी जी अपने ही खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे हैं।

भोगी उत्सव के कारण उठे धुएं से चेन्नई में विमान सेवा प्रभावित, कई फ्लाइट्स भी रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भोगी उत्सव में पुरानी चीजों को जलाने की परंपरा के चलते निकलने वाले धुएं के कारण सोमवार सुबह दिल्ली और बेंगलूरु से आने वाली इंडिगो की तीन उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। इन उड़ानों को रद्द करने के अलावा, हवाई अड्डे ने एहतियात के तौर पर 30 उड़ानों के आगमन और प्रस्थान के कार्यक्रम में भी बदलाव किया है।

प्रभावित उड़ानों में दुबई, अबू धाबी, दोहा, मस्कट, कुवैत, सिंगापुर, कुआलालंपुर, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अंडमान, गोवा, पुणे और कोलकाता जैसे गंतव्यों से आने-जाने वाली उड़ानें शामिल हैं। बता दें कि भोगी उत्सव के दौरान पुराने कपड़े और अन्य सामान जलाने की परंपरा है, जिससे निकलने वाले धुएं से हवाई अड्डे पर विजिबिलिटी काफी कम हो गई। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि इससे उड़ानों में काफी परेशानी आ रही है। सभी यात्रियों को फोन संदेश के माध्यम से उड़ान कार्यक्रम में बदलाव की सूचना दी गई। वहीं अधिकारी स्थिति पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं। अगर धुआं बढ़ता है, तो आने वाली उड़ानों को वैकल्पिक हवाई अड्डों पर भेजने की तैयारी कर ली गई है। गौरतलब है कि हर साल भोगी उत्सव के दौरान चेन्नई हवाई अड्डे को परेशानी का सामना करना पड़ता है। 2018 में धुएं के कारण 73 प्रस्थान और 45 आगमन सहित 118 उड़ानें प्रभावित हुईं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में व्यवधानों की संख्या धीरे-धीरे कम हुई है। 2024 में केवल 51 उड़ानें (27 आगमन और 24 प्रस्थान) प्रभावित हुई थीं। ओमान एयर, एतिहाद और एयरएशिया सहित अंतर्राष्ट्रीय वाहकों ने समय बदला है। चेन्नई और कुआलालंपुर के बीच उड़ानें संचालित करने वाली एयरएशिया ने 15 जनवरी तक तीन दिनों के लिए अपनी उड़ानों को पुनर्निर्धारित किया है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि भोगी स्मॉग के कारण उड़ानों में व्यवधान एक गंभीर समस्या है। हवाई अड्डे के नजदीक रहने वाले लोगों को कचरा न जलाने के लिए जागरूक भी किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में, नागरिक अधिकारियों और पुलिस द्वारा लागू किए गए उपायों के कारण समस्या में काफी कमी आई है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि केवल सीमित संख्या में पायलटों को 400 मीटर से कम की विजिबिलिटी में उड़ान भरने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जिससे उड़ान रद्द करने और उसका समय बदलने की जरूरत पड़ती है। सोमवार सुबह चेन्नई में हवा की गुणवत्ता में काफी गिरावट आई क्योंकि भोगी के धुएं ने शहर को ढक लिया। घने धुएं के कारण मोटर चालकों के लिए दृश्यता की समस्या पैदा हो गई और निवासियों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया। आधी रात से हल्की बारिश ने वायु प्रदूषण को थोड़ा कम करने में मदद की है, लेकिन तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चेतावनी दी कि आने वाले घंटों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने की संभावना है। टीएनपीसीबी भोगी के दिन और त्योहार से पहले और बाद के दिनों में 24 घंटे चेन्नई में 15 स्थानों पर वायु गुणवत्ता की निगरानी कर रहा है।

स्टालिन ने तमिलनाडु में डिजाइन व विकसित इलेक्ट्रिक एसयूवी की 'टेस्ट ड्राइव' को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्य में डिजाइन व और विकसित महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी की टेस्ट ड्राइव' को सोमवार को सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम में हरी झंडी दिखाई। महिंद्रा ने नवंबर, 2024 में चेय्यार तथा चेंगलपट्टू में अपनी बीई6ई को 26.9 लाख रुपये (शोरूम कीमत) और एक्सईवी 9ई को 30.5 लाख रुपये (शोरूम कीमत) की कीमत पर पेश किया था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के अध्यक्ष (मोटर वाहन उत्पाद विकास) एवं महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक आर. वेलुसामी ने कहा कि ये एसयूवी 14 जनवरी से 'टेस्ट ड्राइव' के लिए उपलब्ध होगी। वेलुसामी ने पत्रकारों से कहा, ''...बीई 6ई और एक्सईवी 9ई का निर्माण हमारी जमीन पर किया गया है। इनमें कई विशेषताएं हैं जिनमें इनबिल्ट सेंसर' शामिल हैं जो किसी भी वस्तु से टकराने से बचाने में सहायता करता है।'' उन्होंने बताया कि इसके अलावा यदि कार चलाते समय चालक की नजर सड़क से हट जाती है तो यह उसे सचेत कर देता है। एसयूवी में 12 अल्ट्रासोनिक सेंसर, छह कैमरे और पांच रडार लगे हैं। बैटरी 20 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। एक बार चार्ज करने पर यह 500 किलोमीटर तक चल सकती है।

पलानीस्वामी ने रेस में जीतने पर अजित को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव और तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता एडाप्पडी के पलानीस्वामी ने अभिनेता अजित कुमार को 12 जनवरी को दुबई 24एच 2025 रेस में उनकी रेसिंग टीम के तीसरा स्थान हासिल करने पर बधाई दी है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई ऑटोड्रोम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस रेसिंग प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन वाली जी टी और टूरिंग कार 24 घंटे की कठिन प्रतिस्पर्धा में भाग लेती हैं, जिसमें गति, रणनीति और सहनशक्ति का परीक्षण किया जाता है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पलानीस्वामी ने अजित को 'प्रिय भाई' कहा और दुबई रेस में तीसरा स्थान हासिल करने पर अजित कुमार रेसिंग दल को बधाई दी। उन्होंने कामना की कि वह ऐसे ही देश का गौरव बढ़ाते रहें।

दयनिधि, अन्नामलाई ने दुबई कार रेस में जीत पर अजित को दी बधाई

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने तमिल फिल्मों के अभिनेता अजित कुमार को 12 जनवरी को दुबई 24एच 2025 रेस में उनकी रेसिंग टीम के तीसरा स्थान हासिल करने पर बधाई दी है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई ऑटोड्रोम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस रेसिंग प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन वाली जी.टी. और टूरिंग कार 24 घंटे की कठिन प्रतिस्पर्धा में भाग लेती हैं, जिसमें गति, रणनीति और सहनशक्ति का परीक्षण किया जाता है। उदयनिधि स्टालिन ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि अजित कुमार सर और उनकी टीम ने 24एच दुबई 2025 में 991 श्रेणी में तीसरा स्थान हासिल किया है। मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए अजित कुमार सर और उनकी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं। भाजपा के नेता अन्नामलाई ने इस जीत को देश के लिए गौरव का क्षण बताया। अन्नामलाई ने पोस्ट किया, भारत के लिए गौरव का क्षण, क्योंकि श्री अजित कुमार ने दुबई 24एच सीरीज में 991 श्रेणी में तीसरा स्थान और जीटी4 श्रेणी में स्पिरिट ऑफ द रेस हासिल किया। अजित कुमार असाधारण हैं, वह प्रत्येक भूमिका में उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ते हैं तथा अपने जुनून और समर्पण से अनगिनत अन्य लोगों को प्रेरित करते हैं। अभिनेता-नेता कमल हासन ने जीत को असाधारण उपलब्धि बताया है।

तमिलिसाई सुंदरराजन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बयान की कड़ी निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल और भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने सोमवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बयान की निंदा करते हुए प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा, सबसे पहले मैं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के शब्दों की कड़ी निंदा करती हूं। वह राज्यपाल का जिक्र बचकाना तरीके से कर रहे हैं। संवैधानिक प्रमुख का इस तरह से जिक्र कैसे किया जा सकता है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों को सभी मतभेदों को दूर करना चाहिए। उन्हें एक साथ बैठना चाहिए और मैत्रीपूर्ण तरीके से बात करनी होगी। ताकि राज्य को लाभ हो, उच्च शिक्षा प्रणाली को लाभ हो और कुलपतियों की नियुक्ति में आसानी हो।

उन्होंने आगे कहा कि मेरी दूसरी अपील अनुच्छेद 167 के अनुसार, जब भी जरूरत हो, मुख्यमंत्री और राज्यपाल दोनों को एक साथ बैठकर राज्य के मामलों पर बात करनी चाहिए। मुझे दो राज्यों के राज्यपाल के रूप में काम करने का अनुभव है। एक राज्य तेलंगाना केंद्र सरकार से लड़ रहा था। दूसरा राज्य पुडुचेरी केंद्र सरकार के साथ दोस्ताना व्यवहार रखता है। लड़ाई के कारण तेलंगाना को उचित लाभ नहीं मिल पाया। दूसरी तरफ पुडुचेरी को बड़ी संख्या में योजनाओं की सुविधा दी गई। भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र सरकार के साथ अच्छे सौहार्दपूर्ण संबंधों के साथ, पुडुचेरी ने पूर्ण बजट पेश किया है। मैं अनुरोध करती हूं कि तमिलनाडु के दोनों संवैधानिक प्रमुखों को मतभेदों को दूर करके एक साथ बैठना चाहिए।

इरोड उपचुनाव पर भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस को डीएमके के लिए सीट छोड़ने की चिंता करनी चाहिए। वे कह रहे हैं कि परिवार का एक सदस्य चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। ईवीकेएस परिवार के अलावा कोई और कांग्रेस कैडर नहीं है। कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए कि उसे चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं है। इंडी गठबंधन लगातार कमजोर होता जा रहा है। तमिलनाडु राजभवन ने विधानसभा के हालिया सत्र को संबोधित न करने के राज्यपाल आरएन रवि के फैसले को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 'बचकाना' बताया था।

उद्घाटन — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

चेन्नई में सोमवार को मुख्य सचिवालय से वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन और मछुआरा कल्याण विभाग के अंतर्गत आधुनिक तकनीकी सुविधाओं के साथ एक एकीकृत पशु विज्ञान और पशु विज्ञान महाविद्यालय की स्थापना, अनुसंधान केंद्र, इसका प्रशासनिक भवन, प्रवेश द्वार, अतिथि गृह इत्यादि उन्होंने 9 परिसरों और 126 संबंधित इमारतों का उद्घाटन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया।

रेल सेवाओं का रद्दीकरण

चेन्नई। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने कोहरे के मौसम और प्रयागराज में महाकुंभ मेले के कारण ट्रेन सेवाओं को रद्द करने की अधिसूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 06509 केएसआर बेंगलूरु-दानापुर स्पेशल (वाया जोलारपेट्टई, काटपाडी, अरकोनम, पेरम्बूर) जो 27 जनवरी, 3 , 10 , 24 फरवरी को केएसआर बेंगलूरु से 11:00 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 06510 दानापुर-केएसआर बेंगलूरु स्पेशल (पेरंबूर, अरकोनम, काटपाडी और जोलारपेट्टई के रास्ते) जो 29 जनवरी, 05 , 12 , 26 फरवरी को दानापुर से 12:00 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

केरल पुलिस 'समाधि लेने वाले' गोपन स्वामी का शव कब्र से निकालने का काम अस्थायी रूप से रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। जिले के नेय्याट्टिनकारा में 69 वर्षीय गोपन स्वामी की मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए उनके शव को कब्र से निकालने के दौरान उनके परिवार के सदस्यों और कुछ स्थानीय निवासियों के विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस को यह कवायद अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी। परिजनों का दावा है कि गोपन स्वामी ने 'समाधि' ली थी। प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने इस मुद्दे के समाधान के लिये परिवार के साथ चर्चा शुरू करने का फैसला किया है। तिरुवनंतपुरम के उप जिलाधिकारी अल्फ्रेड ओ वी ने कहा, परिवार के सदस्यों को नेय्याट्टिनकारा पुलिस थाने बुलाया गया है। आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेने से पहले हम उनसे चर्चा करेंगे। दोपहर के समय तनाव उस समय बढ़ गया जब नेय्याट्टिनकारा के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस का एक दल अन्य अधिकारियों के साथ गोपन स्वामी के शव को निकालने के लिए नेय्याट्टिनकारा के कावुविलकम स्थित उस जगह पहुंचा जहां शव दफन था। जब उपजिलाधिकारी ने परिवार को राजस्व प्रभागीय अधिकारी (आरडीओ) के शव को कब्र से बाहर निकालने के आदेश के बारे में सूचित किया, तो उनकी पत्नी और दो बेटों सहित परिवार के सदस्यों ने विशेष रूप से बनाए गए दफन स्थल पर धरना दिया। गोपन स्वामी के पुत्र राजसेनन ने कहा कि वह कब्र को क्षतिग्रस्त नहीं होने देंगे, भले ही इसके लिए उन्हें अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े। गोपन स्वामी की पत्नी सुलोचना दफन स्थल के पास बैठकर 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जाप कर रही थीं, जबकि उनके दूसरे बेटे सनाथन की पुलिस के साथ तीखी बहस हो रही थी। प्रतिरोध के बावजूद पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक वहां से हटा दिया। स्थानीय निवासियों के एक समूह और वैकुंठ स्वामी धर्म प्रचार सभा (वीएसडीपी) जैसे संगठनों के नेताओं ने भी इस कदम का विरोध किया और तर्क दिया कि अधिकारी परिवार की मान्यताओं में हस्तक्षेप कर रहे हैं। परिवार के वकील ने कहा कि अधिकारियों की कार्रवाई उस परिवार को न्याय से वंचित करने के समान है जो दफन स्थल को पवित्र मानता है और वहां प्रतिदिन प्रार्थना करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरडीओ पुलिस के इशारे पर काम कर रहे हैं और परिवार की मान्यताओं की अनदेखी कर रहे हैं।

पीवी अनवर ने विधायक पद से इस्तीफा दिया, यूडीएफ को बिना शर्त समर्थन की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम (भाषा)। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से अलग होकर हाल में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए विधायक पी.वी. अनवर ने सोमवार को नीलांबुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह ऐलान भी किया कि वह इस निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव नहीं लड़ेंगे।

अनवर ने विधानसभा अध्यक्ष ए.एन. शमसीर से उनके कक्ष में मुलाकात की और सुबह अपना त्यागपत्र सौंपा। अनवर ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ समर्थित विधायक के रूप में नीलांबुर सीट जीती थी। उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि वह ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी तृणमूल कांग्रेस के राज्य समन्वयक के रूप में काम करेंगे।

विधायक के तौर पर अभी उनका डेढ़ वर्ष का कार्यकाल बचा है, उससे पहले ही उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। कारोबारी से राजनेता बने अनवर ने स्पष्ट किया कि हालांकि, पहले उनका इस्तीफा देने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन उन्होंने ममता बनर्जी के सुझाव पर इस्तीफा देने का फैसला किया। बनर्जी के साथ उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए विस्तृत चर्चा की थी। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से उनका इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया। ऐसी संभावना थी कि माकपा नीत एलडीएफ, अनवर को अयोग्य घोषित कराने के लिए कदम उठा सकता है। इसे ही उनके इस्तीफे का कारण बताया जा रहा है।

अनवर के इस्तीफे की घोषणा के तुरंत बाद, पश्चिम बंगाल में तृणमूल नेतृत्व ने आधिकारिक तौर पर उन्हें केरल राज्य का संयोजक घोषित कर दिया। तृणमूल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के मार्गदर्शन में तृणमूल कांग्रेस को केरल के संयोजक की घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है। हम उनके (अनवर के) प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। इस्तीफा

सौंपने के बाद यहां अनवर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने शनिवार को ही अपने आधिकारिक ई-मेल से विधानसभा अध्यक्ष शमसीर को इस्तीफा भेज दिया था। अनवर ने यह भी घोषणा की कि वह नीलांबुर सीट से उपचुनाव नहीं लड़ेंगे और निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को अपना समर्थन देंगे।

अनवर ने कहा, मैं नीलांबुर (आगामी उपचुनाव में) से चुनाव नहीं लड़ूंगा...यूडीएफ को बिना शर्त समर्थन दूंगा। हम इस क्षेत्र में यूडीएफ उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और ''पिनराईवाद'' के खिलाफ है और वह कांग्रेस नेताओं से अनुरोध करेंगे कि वे निर्वाचन क्षेत्र में ईसाई समुदाय के एक उम्मीदवार को मैदान में उतारें ताकि उनमें विश्वास पैदा हो सके, क्योंकि जंगली जानवरों के हमलों के कारण उन्हें पहाड़ी इलाकों से जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से ईसाई समुदाय से ताल्लुक रखने वाले मलप्पुरम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वी.एस. जॉय को इस सीट से मैदान में उतारने का आग्रह किया और दावा किया वह 30,000 मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे। हालांकि, जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वह कांग्रेस की प्रदेश इकाई के महासचिव एवं फिल्मी हस्ती तथा नीलांबुर में उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे आर्यदन शौकत को यूडीएफ उम्मीदवार के रूप में समर्थन देंगे, तो उन्होंने कांग्रेस नेता पर कटाक्ष किया और कहा, वह कौन है? ओह ...वह एक फिल्मी हस्ती है और वह कहानी लिख रहे हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ माकपा नेता और मुख्यमंत्री विजयन के राजनीतिक सचिव पी. शशि ने उनसे विपक्ष के नेता के खिलाफ 150 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को उठाने के लिए कहा था।

अनवर ने दावा किया कि शशि ने उन्हें सतीशन के खिलाफ आरोपों को एक लिखित दस्तावेज के रूप में सौंपा था और इस बात पर जोर दिया था कि सदन में आरोपों को उठाने के लिए वह उपयुक्त व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति से उठाया गया था और उन्होंने शशि की बातों पर भरोसा करके आरोपों की सत्यता की जांच नहीं की। उन्होंने कहा, मैं वी डी सतीशन और उनके परिजनों से इन आरोपों के कारण उत्पन्न अपमानजनक स्थिति के लिए माफी मांगता हूं। अनवर ने आगे दावा किया कि उन्होंने मार्क्सवादी पार्टी के शीर्ष-स्तरीय नेतृत्व की अनुमति और जानकारी के साथ शशि और मुख्यमंत्री विजयन के करीबी आईपीएस अधिकारी अजितकुमार के खिलाफ खुलासे किए थे।

बीआरएस विधायक रेड्डी गिरफ्तार

करीमनगर (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना में यहां जिला समीक्षा समिति की बैठक में जगतियाल विधायक संजय कुमार के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार करने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पी कौशिक रेड्डी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारत राष्ट्र समिति छोड़कर जून 2024 में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए संजय कुमार के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना के एक दिन बाद कौशिक रेड्डी के खिलाफ तीन मामले दर्ज किये गये थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दल के विधायक रेड्डी को हैदराबाद से हिरासत में लिया गया। इसी घटनाक्रम के तहत संजय कुमार ने सोमवार को तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष जी. प्रसाद कुमार के समक्ष भी रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में संजय कुमार ने आरोप लगाया कि हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र के बीआरएस विधायक ने रविवार को करीमनगर में समीक्षा समिति की बैठक के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया। उन्होंने आगे दावा किया कि कौशिक रेड्डी ने उन्हें सार्वजनिक मुद्दों का प्रतिनिधित्व करने से रोका। उन्होंने अध्यक्ष से कौशिक रेड्डी के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। संजय कुमार ने कहा कि अध्यक्ष ने उन्हें आश्वासन दिया है कि रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। दोनों के बीच उस समय वाकयुद्ध शुरू हो गया, जब बीआरएस विधायक रेड्डी ने संजय कुमार से उनकी पार्टी से संबद्धता के बारे में सवाल किया।

राज्य सरकार सहकारिता के क्षेत्र में प्रतिबद्धता के साथ कर रही कार्य : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता के क्षेत्र में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में किसानों को सम्मान देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अपने पहले ही बजट में किसान सम्मान निधि देने का वादा किया था। राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 65 लाख से अधिक कृषकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 653.40 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए है। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री दक एवं राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत की अध्यक्षता में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव 2025 के तहत सोमवार को सहकार भारती जोधपुर महानगर की ओर से बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियाँ (पैक्स)और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दक ने कहा कि देश का समग्र आर्थिक विकास सहकारिता के माध्यम से ही सम्भव है। इस दिशा में प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय पैक्स के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित करने का केंद्र सरकार का यह निर्णय एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

सहकारिता मंत्री दक ने कहा कि सहकारिता आंदोलन जन-जागरण और सामाजिक परिवर्तन का पवित्र और उत्तम साधन बना रहे, यही इसकी मूल भावना है। सहकार भारती सहकार जगत की अखिल भारतीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में कार्यरत है। यह समर्पित, ध्येयनिष्ठ, ईमानदार, संस्कारयुक्त, सेवाभावी कार्यकर्त्ताओं का संगठन है। उन्होंने कहा कि सहकार भारती एक अर्थ में केवल संस्था ही नहीं वरन समाज परिवर्तन की दिशा में प्रयत्नशील एक खुला मंच है।

राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बना कर उन्हें ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास की धुरी के रूप में सक्षम बनाने हेतु लिए गए नीतिगत निर्णयों तथा सहकारिता क्षेत्र में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे अन्य नवाचारों की जानकारी दी। साथ ही, सहकार भारती द्वारा पैक्स के संवर्धन, विकास और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने उत्सव में केंद्रीय पंडाल का अवलोकन किया। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शित उत्पादों व मॉडल्स इत्यादि की जानकारी लेकर लोगों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर विधायक सूरसागर देवेंद्र जोशी, पश्चिमी राजस्थान में कार्यरत पैक्स के पदाधिकारियों और सदस्यों, सहकारिता क्षेत्र में रुचि रखने वाले सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान को पर्यटन में नम्बर वन बनाने के लिए पर्यटकों को मिले यूनिक अनुभव : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है दूर-दराज के निर्जन क्षेत्रों को भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी क्षमता का अनुकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटक स्थलों पर ट्रेफिक की समस्या के समधान सहित राजस्थान को पर्यटन में नंबर एक बनाने लिए बेहतरीन सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों को यूनिक और अद्भुत अनुभव दिलाने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने कहा कि हम विश्व स्तरीय सेवाओं और सुविधाओं से ही राजस्थान को पर्यटन में अग्रणी बना सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में सोमवार को जयपुर स्थित होटल द ललित में पर्यटन विभाग, फिक्की और द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में टूर ऑपरेटरों, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन विकास के लिए प्रधानमंत्री विशेष रूचि रखते हैं। इसी के अनुकरण में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड और ड्राइवर्स तथा पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को बेहतर प्रशिक्षण से उनकी क्षमता संवर्धन के लिए राइजिंग राजस्थान प्री समिट (पर्यटन) में मंच से ही निर्देश दिए थे। जिस पर डॉ. ज्योत्सना सूरी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की और सीएमडी, द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप ने ऐसा करने की सहमति दी थी। जिसकी अनुपालना में यह क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्होंने इस हेतु मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को पर्यटन में नम्बर एक बनाने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों को यूनिक और अद्भुत अनुभव मिले इसके लिए हम सब को राजस्थान पर्यटन की एक टीम रूप में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए ट्रैफिक की समस्या के समाधान सहित स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाओं के विकास किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में इन्हीं विषयों पर चर्चा कर सुझाव दिए जाएंगे। साथ ही सभी सहभागियों से सुझाव आमंत्रित हैं। जिसके आधार पर एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर हम सभी राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र का सिरमौर बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं जो कि राजस्थान के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण हैं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड, ड्राइवर तथा पर्यटकों के संपर्क में आने वाले प्रत्येक इंडिविजुअल का आह्वान किया कि वे सब अपने स्तर पर राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा दें।पर्यटकों से चर्चा करें उन्हें यहां की पर्यटन विशेषताओं के बारे में सही जानकारी दें। दीया कुमारी ने टूर ऑपरेटर, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड सभी का इस बात के लिए भी आह्वान किया कि वे राजस्थान में आने वाले पर्यटकों से आग्रह करें कि वे राजस्थान में जिस भी पर्यटक स्थल पर जाएं वहां पर्यटन विशेषताओं का खूब आनंद लें और वहां जो कुछ भी देखें उनका फोटो और वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर करें। इससे राजस्थान के पर्यटन क्षेत्रों के प्रति वैश्विक स्तर पर उत्सुकता बढ़ेगी। उन्होंने जयपुर में आयोजित होने वाले ट्रेवल मार्ट्स को राजस्थान के अन्य शहरों में भी आयोजित किए जाने का भी सुझाव दिया जिससे कि अन्य शहरों में भी पर्यटन विकास के नए अवसर पैदा हों सके। इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए शासन सचिव पर्यटन रवि जैन ने कहा कि हमें राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र में वैल्यू एडिशन्स करने होंगे। शासन सचिव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के दिशा-निर्देशन में प्रदेश में नए पर्यटन स्थलों को विकसित किया जा रहा है साथ ही राजस्थान पर्यटन के प्रमोशन के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला निश्चित रूप से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए लाभकारी साबित होगी।

इस अवसर पर फिक्की की पूर्व अध्यक्ष ज्योत्सना सूरी ने अपने स्वागत उद्बोधन में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का कार्यशाला में शिरकत करने हेतु आभार जताया।इसके साथ उन्होंने कार्यशाला में सहभागियों से कहा कि हमें आज इस कार्यशाला के महत्व को समझकर उसे धरातल पर लागू करना होगा। हमें पर्यटकों की अपेक्षाओं को समझकर उसके अनुसार पर्यटन का आधुनिक और सम्पूर्ण सुविधा सम्पन्न वातावरण तैयार करना होगा। आज इस कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण विषयों जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) नेटवर्क का लाभ उठाया जा सके, यह सारी जानकारी हमें इस कार्यशाला से मिलेगी। गौरतलब है कि इस कार्यशाला के तहत फूड सेफ्टी और फर्स्ट ऐड जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर स्तर आयोजित किए गए। फिक्की उत्तरप्रदेश कमेटी के चेयरमैन प्रतीक हीरा ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान हमेशा से विदेशी सैलानियों की पहली पसंद रहा है।

कई इलाकों में घने कोहरे के बीच कड़ाके की सर्दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में सोमवार की सुबह की शुरुआत घने कोहरे के बीच हुई और कड़ाके की सर्दी का कहर भी जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, बीते चौबीस घंटे में कई जगह बूंदाबांदी हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटे में पूर्वी राजस्थान में कई जगह हल्की बूंदाबांदी हुई। पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। सर्द हवाओं के चलते इस दौरान कई जगह शीत दिन व अति शीत दिन दर्ज किया गया।

इस दौरान निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा भीलवाड़ा में 5.6 डिग्री, जालोर व जैसलमेर में 6.6 डिग्री, संगरिया में 6.9 डिग्री तथा लूणकरणसर में न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अभी मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

'भामाशाहों का सहयोग बनेगा आधार, स्वस्थ बचपन का सपना होगा साकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए लाडेसर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत स्वस्थ बचपन के सपने को साकार करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न दिशा में प्रयास किये जाएंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि अभियान के तहत आगामी तीन माह तक प्रतिमाह जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों में से चिन्हित 5300 कुपोषित एवं 883 अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु भामाशाहों के सहयोग से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में लाडेसर किट का वितरण करवाया जाएगा। अभियान के तहत कम एवं अति कम वजन वाले बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर निगरानी रखी जाएगी। जिला कलक्टर ने लाडेसर अभियान में अपनी बहुमूल्य भागीदारी निभाने वाले सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया है।

लाडेसर किट की सामग्री में प्राकृतिक रूप से प्रोटीन, कार्बोहाड्रेट, विटामिन्स, वसा, आयरन एवं अन्य पोषक तत्व शामिल किये गए हैं। पोषण किट की एक माह की खुराक के तहत लाडेसर खिचड़ी के लिए 250 ग्राम चनादाल, 250 ग्राम मोठ दाल एवं 1 किलोग्राम चावल तथा लाडेसर नाश्ते के लिए 250 ग्राम गुड़, 250 ग्राम मूंगफली एवं 500 ग्राम भूने हुए चने प्रदान किये जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि लाडेसर किट आगामी तीन माह तक प्रति माह प्रत्येक पात्र लाभार्थी को वितरण की जायेगी, जिसकी मॉनिटरिंग जिला प्रशासन एवं उपनिदेशक स्तर से अधीनस्थ बाल विकास परियोजना अधिकारी के माध्यम से प्रति सप्ताह की जायेगी।

लाडेसर किट के उपयोग की सुनिश्चितता हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के माता-पिता से समझाइश की जाएगी एवं नियमित रूप से बच्चों की प्रति दस दिवस में वजन, ऊंचाई एवं लंबाई दर्ज की जाएगी।

मिट्टी कामगारों को मिलेंगे विद्युत चालित चाक : टाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को पूरा करने में श्रीयादे माटी कला बोर्ड पूरा शिद्दत से जुटा है। बजट घोषणा वर्ष 2024-2025 में प्रदेश भर के 1000 मिटी कामगारों को विद्युत चालित चाक व पगमिल (मिट्टी गूंथने की मशीन) आवंटन के लिए बोर्ड ने सोमवार को प्रदेश के आठ और जिलों के 160 मिट्टी कामगारों का लॉटरी के माध्यम से चयन किया। उधोग भवन के सभागार में बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने सवाईमाधोपुर, भरतपुर, धौलपुर, दौसा, टोंक, बूंदी, कोटा व बारां जिलों से आए जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में इन जिलों की लॉटरी निकाली। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में 20-20 लोगों का चयन किया गया है।

टाक ने बताया कि चयनित कामगारों को 10 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाक ने बताया कि पहले फेज में प्रदेश के 25 जिलों के 500 मिट्टी कामगारों का लॉटरी से चयन कर उन्हें प्रशिक्षण उपरांत विद्युत चालित चाक व पगमिल का वितरण किया जाएगा। अब तक कुल 9 जिलों के 180 मिट्टी कामगारों का चयन कर लिया गया है। शेष 16 जिलों के 320 मिट्टी कामगारों का चयन भी 20 जनवरी से पूर्व कर लिया जाएगा।

टाक ने बताया कि 31 जनवरी-2025 से पहले समस्त 500 मिट्टी कामगारों को प्रशिक्षित करके उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करते हुए स्वावलंबी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के समस्त जिलों से कुल 13 हजार लोगों ने आवेदन किया है। बजट वर्ष 2024-2025 में राज्य सरकार ने 1000 मिट्टी कामगारों का लाभांवित करने का लक्ष्य रखा है) जिसे चालू वितीय वर्ष में पूरा कर दिया जाएगा।

जयपुर सहित 14 जिलों में शीतलहर के कारण स्कूलों में छुट्टियां बढ़ी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर सहित 14 जिलों में शीतलहर के कारण स्कूलों में छुट्टियों की अवधि बढ़ा दी गई है। छुट्टियां 1 से 4 दिन तक बढ़ाई गई हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने जिला कलेक्टरों को स्कूलों का समय बदलने और छुट्टियां घोषित करने का अधिकार सौंपा है। इस आदेश के बाद, जयपुर, सीकर, कोटा, टोंक और जैसलमेर के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 जनवरी को छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, ब्यावर, पाली, जालोर, भरतपुर, डीग और खैरथल-तिजारा जिलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 और 14 जनवरी को छुट्टी होगी। सवाई माधोपुर जिले के सभी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों के लिए 13 से 16 जनवरी तक छुट्टियां घोषित की गई हैं। अजमेर कलेक्टर ने देर शाम आदेश जारी करते हुए प्री-प्राइमरी से 5वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए 13-14 जनवरी का अवकाश घोषित किया है। कक्षा 6 से 12वीं तक की कक्षाएं नियमित रूप से चलेंगी। नागौर में भी 13 जनवरी को कक्षा 1 से 5वीं तक के बच्चों के लिए छुट्टी की घोषणा की गई है, जबकि 14 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश पहले ही घोषित किया जा चुका है।

रींगस में लूट की बड़ी वारदात, नकली पुलिसकर्मी बनकर बस में सवार युवक से लूटे 25 लाख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। सीकर जिले के रींगस थाना क्षेत्र में सरगोठ गांव के पास एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 9 नकली पुलिसकर्मियों ने फिल्मी स्टाइल में एक रोडवेज बस को रोककर 25 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। आरोपियों ने अल्ताफ खान से यह रकम छीनी। अल्ताफ मेहनसर गांव में दिनेश के भाई रणजीत ढाका को पैसे देने जा रहा था।

अल्ताफ खान चौमू पुलिया से रोडवेज बस में सवार होकर मेहनसर के लिए निकला था। सरगोठ गांव के पास दो वाहनों में सवार 9 लोग बस को रोककर चढ़ गए। इन बदमाशों ने पुलिसकर्मी बनकर बस ड्राइवर और परिचालक को बताया कि अल्ताफ एक लड़की को भगाने के मामले में फरार है और उसे थाने ले जाना है। इसके बाद उन्होंने अल्ताफ को बस से उतारकर रिवॉल्वर दिखाते हुए अपनी गाड़ी में बिठा लिया। बदमाश अल्ताफ को खाटूश्यामजी की तरफ ले गए और वहां से कुछ दूर सूनसान स्थान पर रिवॉल्वर दिखाकर उसका बैग छीन लिया। बैग में 25 लाख रुपये के साथ-साथ उसका मोबाइल फोन, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य दस्तावेज भी थे। लूटपाट के बाद बदमाशों ने अल्ताफ को सुनसान स्थान पर छोड़ दिया और फरार हो गए। घटना के बाद अल्ताफ ने किसी से मोबाइल फोन लेकर पुलिस को सूचित किया। रींगस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति हत्या

अलवर। राजस्थान में अलवर के थानागाजी थाना अंतर्गत गत नौ जनवरी को मिले एक व्यक्ति के शव का पदार्फाश करते हुये मृतक की पत्नी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि नौ जनवरी को नदी किनारे सुबह सात बजे एक अज्ञात व्यक्ति का गर्दन कटा शव मिला था। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। मौके पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया। दो दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरे को खंगाले गये पुलिस ने एक्सपर्ट टीम का सहारा लिया गया। इसके बाद मृतक की शिनाख्त रामपाल मीणा निवासी महुआ कला थाना मालाखेड़ा के रूप में हुई।

किसानों पर लाठीचार्ज को लेकर बोले बेनीवाल- अन्याय करने वालों की नाक रगड़वाकर दिलाएंगे हक का पैसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। सरासनी गांव में निजी सीमेंट कंपनी के विरोध में पिछले 137 दिनों से धरने पर बैठे किसानों पर बीते बुधवार को पुलिस ने बर्बरता से लाठीचार्ज किया। घटना के बाद घायल किसानों को नागौर के राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन ने किसानों और कंपनी के बीच दो महीने के भीतर समझौता कराने का दावा किया है।

गौरतलब है कि जिले के जायल तहसील के सरासनी गांव के किसान निजी सीमेंट कंपनी के खिलाफ उचित मुआवजे और समान व्यवहार की मांग को लेकर आंदोलनरत थे। किसानों का आरोप है कि कंपनी सभी किसानों

को समान मुआवजा नहीं दे रही है। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की घटना के बाद राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने घायल किसानों से मुलाकात की। बेनीवाल ने घटना की अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों से तुलना करते हुए कहा, जिसने भी किसानों पर यह अन्याय किया, उसे माफी नहीं मिलेगी। मेरी पार्टी रहे या नहीं, जिसने भी किसान भाइयों के साथ ऐसा बर्बरतापूर्वक व्यवहार किया है, उसे नाक भी रगड़वाऊंगा और उनके हक के रुपए भी दिलवाऊंगा। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि किसानों के साथ अन्याय के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा। दो दिन पहले खींवसर के पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल ने भी घायलों से मुलाकात कर आंदोलन को जारी रखने का आह्वान किया था। उन्होंने जिला प्रशासन और निजी कंपनी पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया था। नारायण बेनीवाल ने नागौर के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्रसिंह खींवसर पर निशाना साधते हुए कहा कि अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने मांग की कि अस्पताल की स्थिति तुरंत सुधारी जाए। घटनास्थल का दौरा करने के बाद कांग्रेस नेता मनीष मिर्धा ने पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे नागौर पुलिस का सबसे खौफनाक चेहरा बताया। उन्होंने कहा कि किसानों की जायज मांगों को लेकर इस तरह की बर्बरता अस्वीकार्य है।

पुलिस ने न केवल किसानों पर लाठियां चलाईं, बल्कि उनके खेतों में आगजनी भी की।

जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के गहरे संबंध पर बल देते हुए कहा कि तीनों में एक समान विश्वास प्रणाली है, जो आध्यात्मिक विकास के लिए स्वस्थ शरीर के महत्व पर केंद्रित है।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के 'गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज)' की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान दे रहे थे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय मनीषा मानती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है।

उन्होंने कहा कि धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं तथा धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के सिद्धांत आध्यात्मिक उन्नति के लिए अनुशासित और स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए

आयुर्वेद, योग और नाथपंथ, तीनों नियम-संयम पर जोर देते हैं। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं, वहीं योग में भी हठयोग, राजयोग, ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं तथ तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां, तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं और वह मार्ग है नियम-संयम।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, नियम-संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंतःकरण की शुद्धि नियम-संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है।

उन्होंने कहा कि योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। उन्होंने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है।

दुख है कि किसी ने भी राज्यसभा सदन में मिली नकदी पर दावा नहीं किया: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को इस बात पर अफसोस जताया कि पिछले महीने राज्यसभा सदन में मिली नोटों की गड्डी पर दावा करने के लिए कोई भी संसद सदस्य आगे नहीं आया। उन्होंने कहा कि यह ''हमारे नैतिक मानदंडों के लिए एक सामूहिक चुनौती है।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान छह दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित सीट से 500 रुपए के नोटों की गड्डी बरामद होने से उच्च सदन में काफी हंगामा हुआ था। विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए थे तथा मनु सिंघवी ने इस ''सुरक्षा चूक'' की जांच की मांग की थी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा था कि सांसदों की अनुपस्थिति में सीटों पर कुछ भी रखने से रोकने के लिए कांच के घेरे बनाए जाने चाहिए। धनखड़ ने यहां एक पुस्तक के विमोचन पर कहा, मेरी पीड़ा की कल्पना कीजिए। लगभग एक महीने पहले ही, हमें राज्यसभा की एक सीट से 500 रुपए के नोटों की गड्डी मिली थी। मुझे वास्तव में इस बात से दुख हुआ कि कोई भी इसे लेने नहीं आया। उन्होंने इसे ''बहुत गंभीर मुद्दा'' बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा, जरूरत के कारण आप नोट साथ रख सकते हैं, लेकिन फिर भी किसी ने इस पर दावा नहीं किया। यह हमारे नैतिक मानकों के लिए एक सामूहिक चुनौती है।

मुलायम सिंह शिविर सपा से जुड़े लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ के सेक्टर-16 में संगम लोअर मार्ग पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मुलायम सिंह यादव की याद में स्थापित शिविर समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सपा नेता और समर्थक शिविर में पहुंचकर मुलायम को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के नाम से शिविर लगाने वाले सपा नेता संदीप यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अखबारों में इस शिविर के बारे में पढ़कर बड़ी संख्या में लोग यहां आ रहे हैं। यादव ने दावा किया कि पिछले दो दिनों में पांच से सात हजार लोग इस शिविर में आकर मुलायम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर चुके हैं। शिविर में प्रवेश करते ही एक बड़ा-सा होर्डिंग दिखता है, जिस पर मुलायम के गंगा स्नान और पूजा-अर्चना करने की तस्वीर छपी हुई है। वर्ष 2022 में इलाहाबाद उत्तर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके संदीप यादव ने बताया कि पार्टी से जुड़े एक सदस्य ने मुलायम की याद में बनाए गए शिविर के लिए स्विस कॉटेज दान किया, जिसमें कुछ श्रद्धालुओं को ठहरने की सुविधा भी दी जा रही है और उनके लिए सुबह से ही पूड़ी-सब्जी का भंडारा लगाया जा रहा है। शिविर में मुलायम को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अलीगढ़ के पूर्व सपा जिलाध्यक्ष गिरीश यादव ने कहा, अलीगढ़ से मेरे साथ छह महिलाओं समेत कुल 25 लोग संगम में डुबकी लगाने के लिए आए हैं।

'विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनमर्ग/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है क्योंकि अर्थव्यवस्था अच्छे परिवहन और संचार सुविधाओं पर निर्भर करती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, प्रधानमंत्री ने हमें विकसित और समृद्ध भारत का मिशन दिया है। अगर हमें विकसित भारत हासिल करना है, तो हमें देश के बुनियादी ढांचे में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा, जब तक पानी, बिजली, परिवहन और संचार का विकास नहीं होगा, उद्योग, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

गडकरी ने कहा, हमें इस बुनियादी ढांचे को विकसित करने का काम सौंपा गया है। अच्छी सड़कें देश को विकसित और समृद्ध बनाती हैं। हम जम्मू-कश्मीर को विकसित और समृद्ध बनाने के मिशन पर काम कर रहे हैं ताकि यहां उद्योग स्थापित हों, पर्यटन बढ़े, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों, और गरीबी खत्म हो। हम इस सोच के साथ जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं। गडकरी ने कहा कि सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन ऐतिहासिक है और यह पर्यटक रिजॉर्ट शहर को हर मौसम में संपर्क सुविधा प्रदान करेगी। पहले, इसे जेड-मोड़ सुरंग के नाम से जाना जाता था। उन्होंने कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री ने सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया। इस सड़क के बंद होने (भारी बर्फबारी के कारण) के कारण, कुछ क्षेत्र हर साल पांच से छह महीने तक बंद रहते थे।

ऐतिहासिक क्षण है ओडिशा का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना से जुड़ना : जेपी नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि ओडिशा का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है। ओडिशा ने केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना से जुड़ने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस तरह यह ऐसा करने वाला 34वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया।

राज्य में योजना को लागू करने के लिए सोमवार को नड्डा की उपस्थिति में यहां विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह उल्लेख करते हुए कि भारत की 45 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य कवरेज योजना के अंतर्गत आती है, नड्डा ने कहा कि 2018 के बाद से एबी पीएम-जेएवाई के तहत 8 करोड़ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं। मंत्री ने कहा कि योजना से सहायता प्राप्त स्वास्थ्य सुविधाओं तक बेहतर पहुंच के कारण देश के दूर-दराज इलाकों में अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा कि जन-केंद्रित योजनाओं को चुनते समय राज्यों को राजनीतिक अहंकार को आड़े नहीं आने देना चाहिए।

निर्वाचन आयोग ने वैश्विक स्तर पर अर्जित की प्रशंसा: उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वैश्विक स्तर पर प्रशंसा अर्जित करने वाले चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की सोमवार को सराहना करते हुए कहा कि सर्वश्रेष्ठ हासिल करने के लिए इसकी आलोचना करने की गुंजाइश हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया गया क्योंकि नौकरशाही काफी प्रशिक्षित है और चुनाव प्रणाली सक्रिय और ऊर्जावान है।

उनकी टिप्पणी मतदाता सूची में कथित विसंगतियों, मतदाताओं के मतदान डेटा में हेराफेरी के आरोपों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की प्रभावकारिता को लेकर निर्वाचन आयोग पर किए जा रहे विपक्ष के हमलों की पृष्ठभूमि में आई है। यहां एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, हमारे पास एक निर्वाचन आयोग है जिसने काम किया है। और इसने इस तरह से काम किया है कि इसे वैश्विक मान्यता मिल रही है। दुनिया के कई देश चाहते हैं कि उनके चुनावों की निगरानी हमारे चुनाव आयोग द्वारा की जाए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि निर्वाचन आयोग का सर्वोत्तम प्राप्त करने के लिहाज से इसकी आलोचना करने की ललक हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने कहा, लेकिन हम सभी निश्चिंत हैं क्योंकि हमारी नौकरशाही बहुत प्रशिक्षित है। हमारी चुनाव मशीनरी बहुत अधिक सक्रिय और ऊर्जावान है।

त्रिपुरा में 2015 से अबतक एड्स के कारण 512 लोगों की जान गई: साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को कहा कि राज्य में 2015-16 से 2023-24 तक एड्स संबंधी जटिलताओं के कारण कुल 512 लोगों की मौत हुई।

माकपा के सांसदों-- निर्मल विश्वास और नयन सरकार के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में 2021 तक 7,707 एचआईवी मरीज, 2022 तक 8,943 और 2023 तक 10,126 मरीज दर्ज किए गए हैं। साहा के पास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का प्रभार भी है। राज्य में 2021-22 में एड्स से संबंधित जटिलताओं के कारण सबसे अधिक 74 मौतें हुईं। उनके अनुसार 2023-24 में मृत्यु के सबसे कम 52 मामले थे। एचआईवी मरीजों के उपचार और एड्स मामलों के खिलाफ लड़ाई पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (टीएसएसीएस) ने कुमारघाट, कैलाशहर, दमचेरा, अंबासा, जिरानिया और जम्पुई में 'ओपिओइड प्रतिस्थापन थेरेपी (ओएसटी)' खोली है।

ओडिशा सरकार ने आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों के लिए 20,000 रु. मासिक पेंशन की घोषणा की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों के लिए 20,000 रुपए की मासिक पेंशन और अन्य लाभ की सोमवार को घोषणा की।

दो जनवरी को, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, भारत रक्षा नियम या भारत की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा नियमों के तहत आपातकाल के दौरान गिरफ्तार किए गए और जेल गए लोगों के लिए मासिक पेंशन का प्रावधान घोषित किया। राज्य के गृह विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया है कि पेंशन के साथ-साथ राज्य सरकार आपातकाल के दौरान जेल गए सभी लोगों के चिकित्सा खर्च का वहन करेगी। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी 2025 तक जीवित सभी लोगों को पेंशन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

केजरीवाल ने भाजपा पर आरक्षण के मुद्दे पर दिल्ली के जाटों को धोखा देने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भाजपा पर आरक्षण के मुद्दे पर दिल्ली के जाटों को 'धोखा' देने का आरोप लगाया और पार्टी से पूछा कि उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए केंद्र की सूची में कब शामिल किया जाएगा।

पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल ने अपने आवास पर जाट नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ विधानसभा क्षेत्रों, खासकर बाहरी दिल्ली के इलाकों में इस समुदाय के मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के जाट दिल्ली की ओबीसी सूची में शामिल हैं, लेकिन केंद्र की सूची में नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, राजस्थान के जाटों को दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में प्रवेश मिल सकता है, एम्स, सफदरजंग अस्पताल और सभी केंद्र सरकार के संस्थानों में नौकरियां मिल सकती हैं, लेकिन दिल्ली के जाटों को नहीं। उन्होंने कहा कि देश के शीर्ष दो नेताओं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के जाट समुदाय से वादा किया था कि उन्हें केंद्रीय स्तर पर ओबीसी आरक्षण दिया जाएगा, लेकिन वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। केजरीवाल ने सवाल किया, मैं मोदी, शाह और अन्य भाजपा नेताओं से पूछना चाहता हूं कि वे दिल्ली के जाटों को केंद्र की ओबीसी सूची में कब शामिल करेंगे?''

यूजीसी के नियुक्ति नियमों के बारे में झूठ फैला रही है कांग्रेस: प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए उस पर यूजीसी द्वारा जारी भर्ती मानदंडों के मसौदे के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्यपालों द्वारा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति की प्रथा आजादी के पहले से ही चली आ रही है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पिछले सप्ताह मसौदा नियम जारी किए, जिसमें सहायक प्रोफेसर और कुलपतियों की भर्ती में बड़े बदलाव का प्रस्ताव है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया था कि यूजीसी मसौदा विनियम, 2025, राज्य के राज्यपालों को कुलपति नियुक्तियों पर व्यापक नियंत्रण देता है और गैर-शैक्षणिक लोगों को इन पदों पर रहने की अनुमति देता है। उन्होंने इसे संघवाद और राज्य के अधिकारों पर सीधा हमला करार दिया। मसौदा नियमों के अनुसार, उद्योग विशेषज्ञों के साथ-साथ लोक प्रशासन, सार्वजनिक नीति और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ पेशेवर जल्द ही कुलपति के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र हो सकते हैं। मसौदा मानदंडों में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए कुलाधिपति या विजिटर्स को तीन सदस्यीय खोज-सह-चयन समिति गठित करने का अधिकार भी दिया गया है।

ओडिशा : जंगल, बाघों का रक्षक हाथी 'महेंद्र' की मौत

बारीपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले के सिमिलीपाल बाघ अभयारण्य (एसटीआर) में जंगल और बाघों की रक्षा में लगे 66 वर्षीय हाथी की इलाज के दौरान मौत हो गई। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। रविवार रात करीब 10.30 बजे चहला कैंप में 'महेंद्र' नामक हाथी की मौत हो गई। एसटीआर के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. प्रकाश चंद गोगिनेनी ने बताया कि हाथी ने रविवार सुबह से खाना-पीना बंद कर दिया था और उम्र से संबंधित कमजोरी के कारण उसकी मौत हो गई। गोगिनेनी ने बताया, महेंद्र का इलाज पशु चिकित्सक अभिलाष आचार्य कर रहे थे। पोस्टमार्टम किया जाएगा। 'महेंद्र' प्रशिक्षित हाथी था जिसे दिसंबर 2001 में कर्नाटक के राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान से दो हथिनी 'भवानी' और 'शोभा' के साथ सिमिलीपाल लाया गया था। 2012 में सिमिलीपाल में तैनाती के दौरान हाथी को माओवादी हमले में गोली लग गई थी। जंगल में शिकारियों के तीर से भी हाथी को चोट लगी थी। हालांकि, अधिकारी ने बताया कि हाथी ठीक हो गया और फिर से काम पर लग गया। 'महेंद्र' को बाघिन 'सुंदरी' की सुरक्षा के लिए भी तैनात किया गया था। इसे 2019 में मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य से अंगुल जिले के सतकोसिया वन्यजीव अभयारण्य में लाया गया था। बाद में इस बाघ को वापस सिमिलीपाल में स्थानांतरित कर दिया गया। वन अधिकारियों और स्थानीय समुदायों ने सोमवार को महेंद्र की मौत पर शोक जताया और हाथी को सच्चा 'हीरो' बताया, क्योंकि वह सिमिलीपाल में वन्यजीवों का रक्षक था।

विराट और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने दीजिये: कपिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में लचर प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं लेकिन भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने कहा कि ये दोनों इतने बड़े खिलाड़ी हैं कि अपने भविष्य को लेकर फैसला खुद कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली नौ पारियों में एक शतक के साथ 190 रन ही बना सके और बार बार ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कैच देकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा के आंकड़े यहां और खराब रहे और वह तीन मैचों की पांच पारियों में महज 31 रन ही बना सके। वह खराब फॉर्म के कारण पांचवें टेस्ट मैच से बाहर थे। भारतीय टीम को अपना अगला टेस्ट इस साल जून में इंग्लैंड दौरे पर खेलना है लेकिन भारतीय क्रिकेट जगत में 'सुपटस्टार' संस्कृति को पीछे छोड़ने की बात उठ रही है।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी कपिल देव से जब इन खिलाड़ियों के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, विराट और रोहित बहुत बड़े खिलाड़ी है और खेल में अपने भविष्य का फैसला उन्हें खुद करने दीजिये। रोहित की जगह टीम में कप्तान के दावेदारों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस में किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए, जो मौजूदा कप्तान है वह भी किसी की जगह आए थे। जो भी कप्तान हो उसे पूरा समय मिलना चाहिए। भारतीय टीम को इस दौरे पर बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों ने भी निराश किया। जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावित करने में विफल रहा। बुमराह भी पांचवें टेस्ट में चोटिल होने के कारण दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके जिससे ऑस्ट्रेलिया के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना काफी आसान हो गया। बुमराह ने इस दौरे पर लगभग 150 ओवर गेंदबाजी कर 32 विकेट झटके।

कपिल ने 1991-92 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 284 ओवर गेंदबाजी की थी लेकिन बुमराह अपने अलग तरह के एक्शन के कारण जल्दी चोटिल हो गए। टीम को इस दौरे पर चोटिल मोहम्मद शमी की भी कमी खली। भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

मुझ में जीत की भूख बरकरार, अभी काफी कुछ हासिल करना है : पीवी सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडोनेशिया के अनुभवी कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में अभ्यास शुरू करने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि करियर के इस चरण में उनके पास सफलता हासिल करने के लिए अभी काफी जज्बा बाकी है।

हैदराबाद की इस 29 साल की पूर्व विश्व चैंपियन ने पिछले दो साल में कई कोच के साथ काम किया है लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसमें पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने से विफल रहना भी शामिल है।

पिछले महीने अपनी शादी के बाद मलेशिया ओपन से चूकने के बाद इंडिया ओपन सुपर 750 में वापसी करने वाली सिंधू ने कोच इरवानस्याह की देख-रेख में अभ्यास शुरू कर दिया। इंडोनेशिया के इस कोच को जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी गिंटिंग जैसे पुरुष एकल खिलाड़ियों के करियर को संवारने का श्रेय दिया जाता है।

सिंधू ने इंडिया ओपन की पूर्व संध्या पर कहा, मैं अभी बेंगलूरु में कोच इरवानस्याह के देखरेख अभ्यास कर रही हूं। अभी डेढ़ सप्ताह ही हुए हैं। मूल रूप से वह महिला एकल कोच हैं और साथ ही वह कुछ युवा लड़कों को भी प्रशिक्षित कर रहे हैं। मैं उनके साथ काम जारी रखना चाहती हूं। उन्होंने कहा, कोच और खिलाड़ी के बीच समझ काफी अहम होती है। इसमें समय लगेगा। हमें एक-दूसरे की सोच को समझने के लिए कुछ अभ्यास सत्रों की आवश्यकता होगी।

भारत की इस शीर्ष महिला खिलाड़ी ने कहा, मैंने उसके बारे में बहुत कुछ सुना है और मुझे लगा कि वह मेरे लिए सही कोच है। जिस तरह से वह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को लेकर जिस तरह से योजना बनाते हैं वह शानदार है।

सुविचार

चीनी और बालू साथ मिल जाते हैं लेकिन चींटी बालू के कण छोड़ देती है और शक्कर के दाने बिन लेती है। इसी तरह एक संत बुरे लोगों से भी अच्छाइयों को ही ग्रहण करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खातों में सेंध, भरोसे पर ग्रहण

नब्बे के दशक तक लोगों में इस बात को लेकर भरोसा बहुत मजबूत होता था कि अगर बैंक में रुपए जमा हैं, लॉकर में कोई कीमती चीज रखी है तो उनके सुरक्षित रहने की गारंटी है। हालांकि ठगी की कुछ घटनाएं तब भी होती थीं, लेकिन जब से डिजिटल का दौर आया है, इसकी खामियों का फायदा उठाकर कुछ शातिर लोग ग्राहकों के खाते धड़ाधड़ खाली कर रहे हैं। सरकार को इस ओर ध्यान देकर प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाना होगा। ऑनलाइन ठगी को अंजाम देने में साइबर अपराधी तो लिप्त हैं ही, कुछ बैंक कर्मचारी भी अपना ईमान बेच रहे हैं। जब बाड़ ही खेत को खाने लगेगी तो किस पर भरोसा किया जाए? एक मशहूर बैंक की इंदौर शाखा में कार्यरत रिलेशनशिप मैनेजरों पर जब अमीर बनने की सनक सवार हुई तो उन्होंने दफ्तर में इस्तेमाल होने वाले खास सॉफ्टवेयर के जरिए ग्राहकों के खातों में सेंध लगानी शुरू कर दी! उन्होंने मध्य प्रदेश के अलावा पंजाब, गुजरात और तेलंगाना के दर्जनभर ग्राहकों के खातों से रुपए निकालकर महंगे मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और डिजिटल सोने की खरीदारी कर ली! यह तो इनकी करतूतों का भंडाफोड़ हो गया, अन्यथा ये कोई बहुत बड़ा कांड करते। बैंक के कुछ कर्मचारियों द्वारा अपने ही ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी बहुत गंभीर मामला है। पिछले साल जुलाई में हिमाचल प्रदेश में एक बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर का मामला बहुत चर्चा में रहा था, जिसने ऑनलाइन गेम खेलते हुए कई खाताधारकों के 3.80 करोड़ रुपए डुबो दिए थे। इसी तरह बेंगलूरु में स्थित एक बैंक शाखा में कार्यरत मैनेजर ने किसी कंपनी का संवेदनशील डेटा चुराकर उसके खाते से बहुत बड़ी रकम इधर-उधर करने के लिए डेढ़ दर्जन खातों का इस्तेमाल किया, लेकिन उसकी चालाकी काम नहीं आई और आखिरकार पकड़ा गया।

एक ओर जहां अन्य बैंक कर्मचारी बहुत मेहनत व ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाते हैं, वहीं कुछ कर्मचारी लालच में आकर अपराध करते हैं तथा अपनी और बैंक की प्रतिष्ठा धूमिल करते हैं। लोग बहुत मेहनत से रुपए कमाकर बैंकों में रखते हैं, क्योंकि वे उन पर भरोसा करते हैं। अगर किसी शाखा में ऐसा अपराध हो जाता है तो लोगों का भरोसा दोबारा कायम करना बड़ा मुश्किल होता है। बैंक कर्मचारी की भूमिका उस रक्षक की तरह होती है, जिसे कोई ग्राहक एक रुपया भी सौंपे तो उसके सुरक्षित होने का 100 प्रतिशत भरोसा हो। पिछले साल दिल्ली में एक बैंक की शाखा में कार्यरत मैनेजर ने ग्राहकों की एफडी तोड़कर लगभग 52 करोड़ की रकम ऑनलाइन जुए में उड़ा दी थी। बाद में जांच एजेंसियों ने उसका कच्चा चिट्ठा खोल दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में कार्यरत एक बैंक कैशियर को नोट गिनते-गिनते सट्टेबाजी का चस्का लग गया। उसने पहले अपनी जेब से रुपए लगाए और हार गया। इसके बाद बैंक के 54.64 लाख रुपए लगाए। वे भी हार गया। फरवरी 2023 में बिहार में एक बैंक मैनेजर ने आत्महत्या कर ली थी। जब जांच की गई तो पता चला कि वह डिप्रेशन में था, चूंकि उसने ऑनलाइन जुए-सट्टे के जरिए करोड़पति बनने के प्रयास में बहुत बड़ी रकम दांव पर लगा दी थी। जब सबकुछ हार गया तो खौफनाक कदम उठा लिया। जल्दी मालामाल होने, सभी सुविधाएं हासिल करने और आसानी से धन कमाने का लालच बहुत लोगों को बर्बाद कर चुका है। ऐसे कामों में लोग तब तक रुपए लगाते रहते हैं, जब तक सबकुछ नहीं लुटा देते। वे उधार लेकर या हेरफेर करके दांव लगाने से भी नहीं हिचकते। किसी बैंक कर्मचारी को इसकी लत लग गई तो वह बहुत बड़ा नुकसान करवा सकती है। डिजिटल लेनदेन के कारण रुपए लगाना बहुत आसान हो गया है। बैंकों को अपने कर्मचारियों को इससे सावधान करते हुए ग्राहकों के भरोसे को मजबूत रखना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बनाने एवं पर्यटकों को बेहतर आदित्य का अनुभव प्रदान करने को लेकर आज राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित पर्यटन शर्मता निर्माण कार्यशाला में सम्मिलित होकर टूर ऑपरेटरों और पर्यटक गाइडों को संबोधित किया।

-दीया कुमारी

तीर्थराज प्रयागराज में आस्था के महापर्व पवित्र महाकुंभ के शुभारंभ के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। यह अलौकिक महाकुंभ सभी तीर्थयात्रियों के आध्यात्मिक जीवन को और समृद्ध करे यही कामना करता हूं।

-अशोक गहलोत

पौष पूर्णिमा पर पवित्र स्नान के साथ ही आज से प्रयागराज की पुण्यभूमि पर महाकुंभ का शुभारंभ हो गया है। हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़े इस दिव्य अवसर पर मैं सभी श्रद्धालुओं का हृदय से वंदन और अभिनंदन करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

अहसास की शक्ति

एक व्यक्ति बहुत परेशान था। संत ने उसे सलाह दी कि श्रीकृष्ण भगवान की पूजा शुरू कर दो। उसने श्रीकृष्ण भगवान की एक मूर्ति घर लाकर उसकी पूजा करना शुरू कर दी। कई साल बीत गए लेकिन, कोई लाभ नहीं हुआ। फिर दूसरे महात्मा ने कहा कि तू काली मां की पूजा कर, जरूर तुम्हारे दुख दूर होंगे। अगले ही दिन वो एक काली मां की मूर्ति घर ले आया। श्रीकृष्ण की मूर्ति मंदिर के ऊपर बने एक टांड पर रख दी और काली मां की मूर्ति मंदिर में रखकर पूजा शुरू कर दी। फिर उसके दिमाग में ख्याल आया कि जो अगरबत्ती, धूपबत्ती काली जी को जलाऊंगा, उसे तो श्रीकृष्णजी भी सूंघ लेंगे। ऐसा करता हूं कि श्रीकृष्ण के मुंह पर कपड़ा बांध देता हूं। जैसे ही वो ऊपर चढ़कर श्रीकृष्ण के मुंह पर कपड़ा बांधने लगा श्रीकृष्ण भगवान ने उसका हाथ पकड़ लिया। वो हैरान रह गया और भगवान से पूछा, 'इतने वर्षों से पूजा कर रहा था तब तो नहीं आए! अब कैसे प्रकट हो गए? श्रीकृष्ण ने समझाते हुए कहा, 'आज तक तू एक मूर्ति समझकर मेरी पूजा करता था। किन्तु आज तुम्हें अहसास हुआ कि कृष्ण सांस ले रहा है, बस मैं आ गया।'

सामयिक

ऐसा अद्भुत आयोजन नेतृत्व के ज्ञान और संकल्प से ही संभव

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतों वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की आचार्यों की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता। हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संतों, आचार्यों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता। थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग करें भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत, संन्यासी, साधू, महंत, आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूर्तों, कर्मकांडों का महत्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा, किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह पर्यत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती।

वर्ष 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पानी को अधिकतम संभव शुद्ध और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर दिन रात एक किया। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड रुपए व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड रुपए का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थाई निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इन्कार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा- मोटी 3 लाख के आसपास पौधों के रोपण का आंकड़ा है। पहले भी वृक्षारोपण होते थे किंतु संख्या अत्यंत कम होती थी। ऐसे आयोजनों में स्वच्छता के अभाव में लोगों में अनेक स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है।

हालांकि हिंदुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं। किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान सहज और अनुकूल होता है। सबसे बड़ी बात कि अखाड़ों,आश्रमों आदि की परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था करना ताकि कर्मकांड संपूर्ण नियमों के साथ ही सुनिश्चित हो, मुख्य शाही स्नान ठीक मूहूर्त पर शास्त्रीय विधियों से संपन्न हों कम इसकी व्यवस्था तो पूर्व सरकारों इस तरह संभव ही नहीं थी। इसके साथ मीडिया को भारत और संपूर्ण विश्व में इसकी संपूर्ण भव्यता दिव्यता और आकषर्णकारी शक्ति को प्रसारित करने की दृष्टि से उपयोग करने की ऐसी व्यवस्था की तो संभावना भी नहीं थी। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाना जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। इसे ही कहते हैं सही समय पर मीडिया के सही उपयोग से धार्मिक आध्यात्मिक भाव- सद्भाव पैदा करना। कभी भी ऐसे आयोजनों में मीडिया और पत्रकारों के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए इसके पूर्व कोशिश नहीं हुई। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है।

धीरे-धीरे अब परंपरागत आर्थिक विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि भारत अगर विश्व की आर्थिक और आदर्श महाशक्ति बनेगा तो अध्यात्म-संस्कृत की क्षमता का उसमें सर्वाधिक योगदान होगा। मोटा - मोटी निष्कर्ष यह है कि लगभग 40 करोड लोग 45 दिनों में आते हैं तो दो से चार लाख तक का कारोबार हो सकता है। आयोजन के निर्माण में तैयार आधारभूत व्यवस्थाएं भविष्य में भी ऐसे स्थानों पर तीर्थ यात्रियों और आधुनिक संदर्भ में पर्यटकों को सतत आकर्षित करने का ठोस आधार बना रहेगा।

अर्थात आर्थिक व व्यावसायिक गतिविधियों का अस्थाई स्थिर चक्र कायम रहेगा। कितने लोगों को जीवन यापन यानि रोजगार,आर्थिक समृद्धि, परिवारों में खुशहाली और संपन्नता प्राप्त होगी इसकी कल्पना करिए। दुर्भाग्य से गुलामी के काल में अपनी ही महान आध्यात्मिक शक्ति, संस्कृति, कर्मकांड आदि को पिछड़ापन, अंधविश्वास कहकर हमें उससे दूर किया गया और संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था शिक्षित लोगों के अंदर इसके प्रति वितृष्णा पैदा करती रही। सच यह है कि ऐसे आयोजन जन कल्याण, राष्ट्र, अभ्युदय और संपूर्ण विश्व ब्रह्मांड के अंदर स्वाभाविक शांति की अमूर्त अंत:शक्ति पैदा करते हैं। साधु-संतों, अखाड़ों का स्नान, यज्ञ, अनुष्ठान आदि उनकी व्यक्तिगत कामना के लिए नहीं विश्व कल्याण पर केंद्रित होता है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

विशेष

दान, ध्यान और स्नान का पर्व है मकर संक्रांति

बाल मुकुन्द ओझा

भारत में प्रत्येक पर्व और त्योहार का अपना सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्त्व होता है। ऐसा ही एक पर्व मकर संक्रांति है जो लोक मंगल को समर्पित है। हिन्दू तीज-त्योहारों में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति का त्योहार धार्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। लोकमंगल के त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं। यह त्योहार न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका वैज्ञानिक महत्व भी है। मकर संक्रांति सूर्य, पृथ्वी और ऋतुओं के बीच के संबंध को दर्शाने वाला पर्व है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, मकर संक्रांति पुण्य काल का समय सुबह 9 बजकर 3 मिनट से लेकर शाम 5 बजकर 46 मिनट तक रहेगा और महापुण्य काल का समय सुबह 9 बजकर 3 मिनट से लेकर सुबह 10 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। मकर संक्रान्ति पर्व पूरे भारत और नेपाल में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख त्यौहारों में से एक है, जिसे विभिन्न राज्यों में अलग-अलग नाम से जाना जाता है। उत्तर भारत में इसे संक्रांति, गुजरात और महाराष्ट्र में उत्तरायण, तमिलनाडु में पोंगल और असम में माघ बिहू कहा जाता है। हिन्दी भाषी क्षेत्रों में इस त्यौहार को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। यह त्यौहार सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

धार्मिक विश्वास के अनुसार मकर संक्रांति पर किये गये दान के कार्य अन्य दिनों के अपेक्षा सौ गुना अधिक पुण्य प्राप्त होता। इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना बेहद पुण्यकारी माना जाता है। यह त्योहार देश में पतंजबाजी के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। इस अवसर पर महिला और पुरुष सबेरे से शाम होने तक अपनी अपनी छतों पर वो काटा की करतल ध्वनि के साथ पतंगबाजी का आनंद उठाते है। इस दिन तिल का हर जगह किसी ना किसी रूप में प्रयोग होता ही है। पौराणिक मान्यता के अनुसार ऐसा माना जाता है कि अगर मकर संक्रांति के दिन तिल का दान या सेवन किया जाए तो इससे शनि देव प्रसन्न होते हैं। जिससे ऐसे व्यक्ति जिस पर शनि देव का कुप्रभाव है वह भी कम हो जाता है। इसलिए इस दिन काले तिल को दान करने की मान्यता है।

तिल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए मकर संक्रांति के दिन का ही चयन किया था। मकर संक्रांति के दिन गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर सागर में जा मिलीं। इसीलिए आज के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है। मकर संक्रान्ति के अवसर पर गंगास्नान एवं गंगातट पर दान को अत्यन्त शुभ माना गया है। इस पर्व पर तीर्थराज प्रयाग एवं गंगासागर में स्नान को महास्नान की संज्ञा दी गयी है। मकर संक्रांति को मौसम में बदलाव का सूचक भी माना जाता है।

भारत में मकर संक्रान्ति विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। बंगाल में इस पर्व पर गंगासागर पर बहुत बड़े मेले का आयोजन होता है। यहां इस पर्व के दिन स्नान करने के बाद तिल दान करने की प्रथा है। कहा जाता है कि इसी दिन यशोदा जी ने श्रीकृष्ण की प्राप्ति के लिए व्रत रखा था। इसी दिन गंगा भगीरथ के पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होते हुए गंगा सागर में जा मिली थीं। यही वजह है कि हर साल मकर संक्रांति के दिन गंगा सागर में भारी भीड़ होती है। इस साल महाकुंभ मेले में दूसरा शाही स्नान भी मकर संक्रांति 2025 के पावन पर्व पर आयोजित हो रहा है। यह महाकुंभ प्रयागराज में हो रहा है। मकर संक्रांति 2025 विशेष रूप से स्नान और दान का पर्व है। इस दिन गंगास्नान करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

नजरिया

रेलवे में महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण की परिवर्तनकारी यात्रा

अरोमा सिंह ठाकुर

आईजी-कम-पीसीएससी दक्षिण मध्य रेलवे

सशक्तीकरण का तात्पर्य केवल लोगों की आवाजाही से नहीं है; यह सशक्तीकरण का साधन है, अधिकारों को सुनिश्चित करने वाला है तथा सामाजिक-आर्थिक विकास का अग्रदूत है। भारत में, जहां भारतीय रेलवे प्रतिदिन 23 मिलियन से अधिक यात्रियों को परिवहन सुविधा देती है, गतिशीलता अवसरों - शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल और सामुदायिक भागीदारी तक पहुंच का प्रतिनिधित्व करती है। इस विशाल नेटवर्क पर निर्भर रहने वाली लाखों महिलाओं के लिए सुरक्षित आवागमन एक मौलिक अधिकार और सशक्तीकरण का साधन है। गतिशीलता आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाती है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में योगदान मिलता है। जैसा कि मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट ने रेखांकित किया है, भारत के श्रम बल में लैंगिक अंतर को कम करने से वर्ष 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में 770 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो सकती है। भारतीय रेलवे और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) इस परिवर्तन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा उन्होंने ऐसी पहल की है जो समावेशिता और सशक्तीकरण को बढ़ावा देते हुए सुरक्षा को प्राथमिकता देती है।

आरपीएफ के प्रयासों में सबसे आगे ऑपरेशन मेरी सहेली है, जो वर्ष 2020 में महिला यात्रियों, विशेषकर अकेले यात्रा करने वाली, बच्चों के साथ यात्रा करने वाली या देखभाल करने वाली महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई एक समग्र पहल है। 249 समर्पित मेरी सहेली टीमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिदिन लगभग 500 ट्रेनों में मौजूद रहती हैं और ये महिला आरपीएफ कर्मी प्रतिदिन लगभग 13,000 महिला यात्रियों से उनकी यात्रा के प्रारंभ से लेकर अंत तक बातचीत करती हैं, यात्रा के दौरान संपर्क बनाए रखती हैं और गंतव्य पर उनका सुरक्षित उतरना सुनिश्चित करती हैं। विश्वास को बढ़ावा देने और निरंतर समर्थन प्रदान करने के माध्यम से, ऑपरेशन मेरी सहेली ने अनगिनत महिलाओं के यात्रा अनुभव को बदल दिया है, उनके मनोवैज्ञानिक बोझ को कम किया है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है।

यात्री-केंद्रित पहलों के अलावा, आरपीएफ ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाली विशेष सुरक्षा टीमें स्थापित की हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे में शक्ति टीमें, उत्तर पश्चिम रेलवे में दुर्गा वाहिनी टीमें, प्लेटफार्मों, ट्रेनों और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में गश्त करती हैं, घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देती हैं और महिला यात्रियों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देती हैं। आरपीएफ की महिला कार्मिक, रेल यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा से गुजर रहीं गर्भवती महिलाओं की सहायता करने के लिए अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर काम करती हैं। अकेले वर्ष 2024 में, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने ट्रेनों और रेलवे क्षेत्रों में 174 प्रसव में सहायता की। साथ ही रेलवे के संपर्क में आने वाले देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को बचाने के लिए एक गहन अभियान शुरू किया गया है। वर्ष 2024 के दौरान इस अभियान के तहत आरपीएफ द्वारा 4,528 बालिकाओं को बचाया गया। आरपीएफ कार्मिक देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाली महिलाओं सहित वयस्कों को बचाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये लोग घर छोड़कर आए हुए, परित्यक्त, नशे के आदी, बेसहारा या चिकित्सा सहायता की जरूरत वाले हो सकते हैं। वर्ष 2024 में, लगभग 1,607 ऐसी महिलाओं/लड़कियों को बचाया गया। आरपीएफ कर्मियों ने महिलाओं/लड़कियों की जान बचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस मिशन के तहत वर्ष 2024 में कुल 1,043 महिलाओं/लड़कियों की जान बचाई गई। भारतीय रेलवे के चार प्रमुख डिवीजनों का नेतृत्व महिला वरिष्ठ डिवीजनल सुरक्षा आयुक्तों द्वारा किया जा रहा है और भारतीय रेलवे के 47 आरपीएफ थानों का संचालन आरपीएफ महिला निरीक्षकों द्वारा किया जा रहा है। इनके अलावा, भारतीय रेलवे के कुछ रेलवे स्टेशन और आरपीएफ चौकियां पूरी तरह से महिला कर्मियों द्वारा संचालित हैं। वास्तविक समय की निगरानी और हस्तक्षेप के उद्देश्य से चेहरे की पहचान और व्यवहार विश्लेषण के साथ एआई-संचालित निगरानी प्रणाली, लाइव ट्रैकिंग की पेशकश करने वाले मोबाइल सुरक्षा अनुप्रयोग, आरपीएफ कर्मियों के साथ सीधा संचार और त्वरित अलर्ट आदि यात्रियों को सहायता तक तत्काल पहुंच प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे। प्रौद्योगिकी को अपनाकर, आरपीएफ का लक्ष्य अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक समावेशी गतिशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। ऐसे युग में जहां सुरक्षा और सशक्तीकरण को विकास के आधार के रूप में मान्यता दी जा रही है, आरपीएफ दूरदर्शिता, सहानुभूति और कार्रवाई की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है। यह सिर्फ़ यात्रियों को ले जाने के बारे में नहीं है; यह एक राष्ट्र को सम्मान, समानता और प्रगति की ओर ले जाने के बारे में है। 'एक सुरक्षित और अधिक समावेशी भविष्य की ओर यात्रा सिर्फ एक मंजिल नहीं है - यह एक विरासत का निर्माण है।'

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

महाकुंभ में बिछड़े 250 से अधिक लोग अपनों से मिले

महाकुंभ नगर। प्रयागराज में सोमवार को महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पर तड़के घने कोहरे के बीच भारी भीड़ में अपनों से बिछड़े 250 से अधिक लोगों को मेला प्रशासन ने भूले-भटके शिविर के माध्यम से उनके परिजनों से मिलवाया। मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को संभालने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने भूले-भटके शिविर सहित कई भीड़ नियंत्रण पहल की है। इसके अलावा, पुलिस सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं और मेले के लिए विशेष रूप से 'वॉच टावर' लगाए गए हैं। भूले-भटके शिविरों में बिछड़ी महिलाओं और बच्चों के लिए समर्पित खंड के साथ खोया-पाया केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जो डिजिटल टूल और सोशल मीडिया सहायता से युक्त हैं। वहीं, घाटों पर लगाए गए लाउड स्पीकर से लापता लोगों के बारे में लगातार घोषणा की जा रही है, जिससे बिछड़ों को उनके परिजनों से मिलाने में मदद मिल रही है। उत्तर प्रदेश नागरिक सुरक्षा के वार्डन नितेश कुमार द्विवेदी ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, नागरिक सुरक्षा विभाग और मेला अधिकारियों की निगरानी में सैकड़ों परिवारों को मिलाया गया। स्नान शुरू होने के महज डेढ़ घंटे में नागरिक सुरक्षा विभाग के लोग करीब 200-250 लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में सफल रहे। दिल्ली से आए श्रद्धालु अजय गोयल ने अपने परिजनों से बिछड़ने का दर्द बयां करते हुए कहा, पहले हम मजाक किया करते थे कि कैसे लोग कुंभ मेले में बिछड़ जाते हैं, जैसा कि पुरानी फिल्मों में दिखाया जाता था। मेरे परिजनों से बिछड़ने के बाद हमें अहसास हुआ कि यह मजाक नहीं है, बल्कि वास्तव में ऐसा होता है। वहीं, परिवार के 13 सदस्यों के साथ संगम स्नान के लिए आई सुजाता झा ने अपना दुख साझा करते हुए कहा, तीन घंटे बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मेरे परिवार के सदस्य मुझ तक नहीं पहुंच पाए हैं। मेरे नाम की घोषणा कई बार की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई नहीं आया। उन्होंने कहा, मेरा सामान, फोन और कपड़े उनके पास हैं। मैं यहां भीगे हुए कपड़ों में उनका इंतजार कर रही हूं। इसी तरह की कहानी ओमवती ने साझा की, जो शाहजहांपुर के निगोही की रहने वाली हैं। उन्होंने कहा, मैं दो अन्य लोगों के साथ आई हूं, लेकिन वे मुझसे बिछड़ गए हैं। अब मैं अकेली हूं। बिछड़ने-भटकने की इन भावुक कहानियों के बावजूद प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाएं तारीफ के काबिल हैं। अजय गोयल ने कहा, लाउड स्पीकर के माध्यम से घोषणा और खोया-पाया केंद्र शानदार पहल हैं। अधिकारियों से तुरंत जवाब मिलता है, यह अपने आप में सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि खोया-पाया केंद्रों में सोशल मीडिया मंचों सहित कई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है, ताकि बिछड़े हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाने में मदद मिल सके।

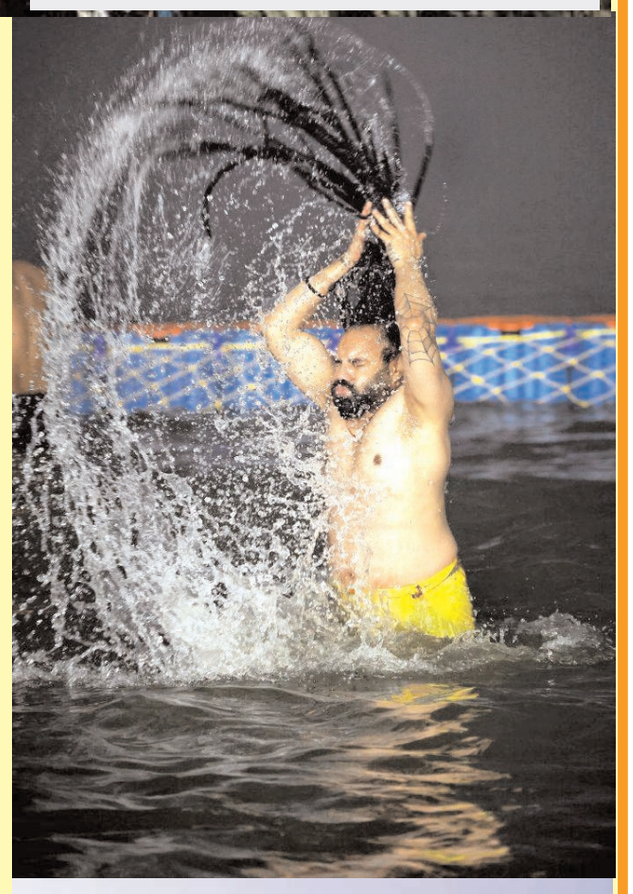

महाकुंभ में पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ कल्पवास की शुरुआत

महाकुंभ नगर। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम पर सोमवार को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ ही महाकुंभ और 'कल्पवास' की शुरुआत हो गई। सनातन आस्था के महापर्व महाकुंभ की शुरुआत, तीर्थराज प्रयागराज के संगम तट सोमवार को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू हुई। इस दौरान भारत की सांस्कृतिक विविधता में आध्यात्मिक एकता का मनोरम दृश्य संगम तट पर देखने को मिल रहा है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आस्था की डोर में बंधे गंगा, यमुना, सरस्वती के पवित्र त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान करने करोड़ों की संख्या में आ रहे हैं। इसके साथ ही महाकुंभ की विशिष्ट परंपरा कल्पवास की भी शुरुआत हो गई है। पद्म पुराण और महाभारत के अनुसार संगम तट पर माघ मास में कल्पवास करने से सौ वर्षों तक तपस्या करने के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। विधि-विधान के अनुसार लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने संगम तट पर केला,तुलसी और जौं रोपकर एक महा व्रत और संयम का पालन करते हुए कल्पवास की शुरुआत की। तीर्थराज प्रयागराज में माघ मास में कल्पवास करने का विधान है, महाकुंभ में कल्पवास करना विशेष फलदायी माना जाता है। इसलिये इस वर्ष अनुमान के मुताबिक 10 लाख से अधिक लोग संगम तट पर पूरे एक माह का कल्पवास करेंगे।

कल्पवास के विधान और महत्व के बारे में तीर्थ पुरोहित श्याम सुंदर पाण्डेय कहते हैं कि कल्पवास का शाब्दिक अर्थ है कि एक कल्प अर्थात एक निश्चित समयावधि में संगम तट पर निवास करना। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने का विधान है। श्रद्धालु अपनी शारीरिक और मानसिक स्थित के अनुरूप तीन दिन, पांच दिन, ग्यारह दिन आदि का संकल्प लेकर भी कल्पवास करते हैं। पूरी तरह विधि-विधान से कल्पवास करने वाले साधक बारह वर्ष लगातार कल्पवास कर महाकुंभ के अवसर पर इसका उद्यापन करते हैं, जो कि शास्त्रों में विशेष फलदायी और मोक्षदायक माना गया है। पाण्डेय ने बताया कि कल्पवास को हमारे शास्त्रों और पुराणों में मानव की आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ मार्ग बताया गया है। वस्तुतः कल्पवास को सनातन परंपरा के अनुसार वानप्रस्थ आश्रम से संन्यास आश्रम में प्रवेश का द्वार माना गया है। एक माह संगम या गंगा तट पर विधिपूर्वक कल्पवास करने से मानव का आंतरिक एवं बाह्य कायाकल्प होता है।

उन्होंने बताया कि पद्म पुराण में भगवान दत्तात्रेय ने कल्पवास के 21 नियमों का उल्लेख किया है, जिसका पालन कल्पवासी संयम के साथ करते हैं। जिनमें से तीनों काल गंगा स्नान करना, दिन में एक समय फलाहार या सादा भोजन ही करना, मद्य,मांस,मदिरा आदि किसी भी प्रकार के दुर्व्यसनों का पूर्णतः त्याग करना, झूठ नहीं बोलना,अहिंसा, इन्द्रियों पर नियंत्रण, दयाभाव और ब्रह्मचर्य का पालन करना, ब्रह्म मुहूर्त में जागना,स्नान, दान, जप, सत्संग, संकीर्तन, भूमि शयन और श्रद्धापूर्वक देव पूजन करना शामिल है। पौराणिक मान्यता और शास्त्रों के अनुसार पौष पूर्णिमा के दिन श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त में संगम स्नान कर, भगवान शालिग्राम और तुलसी की स्थापना कर, उनका पूजन किया। सभी कल्पवासियों को उनके तीर्थपुरोहितों ने पूजन करवा कर हाथ में गंगा जल और कुशा लेकर कल्पवास का संकल्प करवाया। इसके साथ ही कल्पवासियों ने अपने टेंट के पास विधिपूर्वक जौ और केला का पौधा भी रोपा। सनातन परंपरा में केले के पौधे को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। कल्पवासी पूरे माघ मास केला और तुलसी का पूजन करेंगे। तीनों काल में सभी कल्पवासी नियम पूर्वक गंगा स्नान, जप, तप, ध्यान, सत्संग और पूजन करेंगे। कल्पवास के काल में साधु-संन्यसियों के सत्संग और भजन-कीर्तन करने का विधान है। कल्पवासी अपने मन को सांसरिक मोह से विरक्त कर आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग की ओर ले जाता है।

हजारों विदेशी श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ का संगम घाट इस बार दुनिया के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र बना गया है।अमेरिका, रूस, जर्मनी, इटली, इक्वाडोर समेत तमाम देशों के लोग सनातन संस्कृति से अभिभूत नजर आए और सभी ने संगम में डुबकी लगाई और माथे पर तिलक लगाकर संगम की रेती पर निकल पड़े। इस दौरान स्पेनिश, जर्मन, रशियन और फ्रेंच समेत कई विदेशी भाषाओं में जय श्री राम और हर हर गंगे के जयकारों से संगम का वातावरण गूंज उठा। विदेशी श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बताया है। जर्मनी की रहने वाली क्रिस्टीना ने कहा यहां आकर आत्मा को शांति मिलती है। मैंने महाकुम्भ के बारे में सुना जरूर था, लेकिन यहां आकर ऐसा लगा कि यह अनुभव अविस्मरणीय है। क्रिस्टीना का जन्म इक्वाडोर में हुआ था। बाद में इनके माता पिता जर्मनी में बस गए। इक्वाडोर के निवासी उनके साथी भी भारत की आध्यात्मिकता से अभिभूत नजर आए। उनका कहना था कि गंगा में डुबकी लगाकर ऐसा महसूस हुआ, जैसे सभी पाप धुल गए हों।

न्यूयॉर्क से आए फैशन डिजाइनर कॉबी हेल्परिन ने कहा, भारत की संस्कृति और परंपराओं को इतने भव्य रूप में देखना मेरे लिए एक नया अनुभव है। महाकुम्भ ने मुझे भारतीय संस्कृति को गहराई से समझने का अवसर दिया। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी प्रेरणादायक है। यहां आकर उन्हें गौरव का अहसास हो रहा है। रूस से आए मिखाइल और उनके दोस्तों ने संगम घाट पर गंगा स्नान कर हर हर गंगे के जयकारे लगाए। उन्होंने कहा, मैंने महाकुम्भ के बारे में पढ़ा था, लेकिन यहां आकर इसकी विशालता और दिव्यता को महसूस करना मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत अनुभव है। यह हम सभी के लिए कभी न भूलने वाला क्षण है। इटली से आए पाउलो ने अपने 12 सदस्यीय दल के साथ महाकुम्भ में संगम स्नान कर पावन पुण्य कमाया। उन्होंने योगी सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा, दुनिया में इतना बड़ा सांस्कृतिक आयोजन कहीं और संभव नहीं है। यह भारत की महानता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश में यह आयोजन हो रहा है, इसके लिए यहां के शासक (सीएम योगी) भी बधाई के पात्र हैं। इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया से आए एलेक्स ने बताया कि जर्मनी में उनके दोस्तों ने उन्हें महाकुम्भ के बारे में बताया था। भारत आकर उन्होंने इस अद्वितीय आयोजन का अनुभव किया और इसे अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया। महाकुम्भ इस बार न केवल भारतीय श्रद्धालुओं के लिए, बल्कि विदेशी पर्यटकों और भक्तों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बन गया है। विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और गंगा के महत्व को समझने और अनुभव करने के लिए उमड़ पड़े। यह आयोजन न केवल भारतीय परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि विश्व एकता और आध्यात्मिकता का संगम भी है। महाकुम्भ एक ऐसा आयोजन है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा।

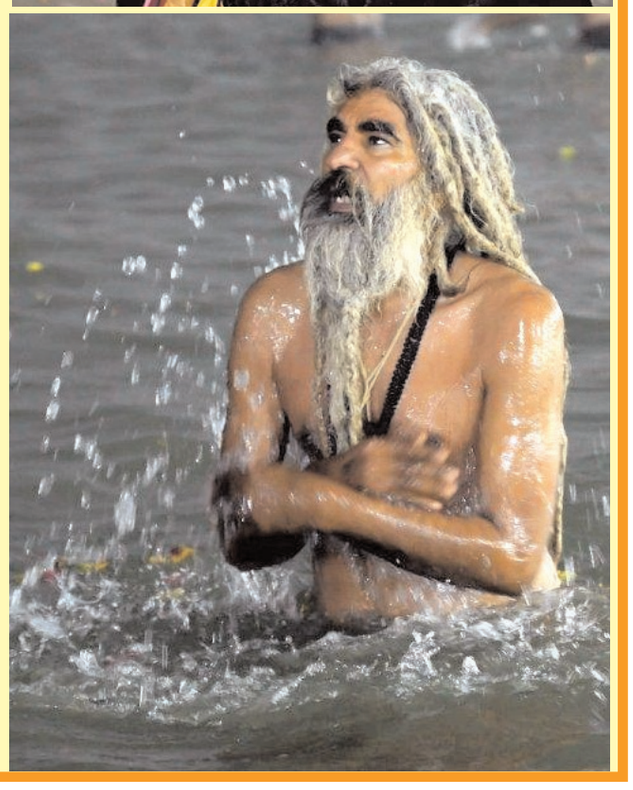

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 14-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीव को प्रबल पुण्याई से ही दुर्लभ मनुष्य जीवन मिलता है। उसमे भी हमारा सौभाग्य है कि हम जिनवाणी श्रवण करने हेतु यहा उपस्थित हुए है। कर्मवाद के सिद्धांत से अपने- अपने कर्मानुसार हर जीव सुख- दुःख भोगता है। सुख- दुःख का कर्त्ता जीव स्वयं ही है। इसलिए अपने जीवन को व्यर्थ मे न गवांते हुए संसार से मुक्ति ही अपना अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इस पंचम आरे मे मुक्ति संभव नही है।

रंग बिरंगी कोल्लम से खिलखिला उठी नॉर्थ मादा स्ट्रीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वित्तीय व्यवसाय में कार्यरत सुंदरम फाइनेंस द्वारा मैलापुर महोत्सव के 21वें संस्करण के अंतर्गत फेस्टिबल के तीसरे दिन की शुरुआत कपिलेश्वर मंदिर में हुई। महाथी अकादमी के विद्यार्थियों द्वारा एक संगीत कार्यक्रम पेश किया गया। इसके बाद स्ट्रिंग आर्ट वर्कशॉप और शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण रंग बिरंगी कोल्लम प्रतियोगिताएं थीं जिसके कारण नॉर्थ मादा स्ट्रीट आकर्षक रंगों से बनी कोल्लम से खिलखिला उठी।

कार्यक्रम के अंत में त्रिवेंद्रम के डी. राजेश और उनकी टीम ने कपालेश्वर मंदिर के पूर्वी गोपुरम के बाहर नादस्वरम संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर केके नगर के पीएसबी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा कर्नाटक संगीत की सुंदर प्रस्तुतियों के साथ कोरल संगीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में गरबा प्रदर्शन सिलवट्टम और तमिल लोक नृत्य के साथ अनेक पारंपरिक खेलों का आयोजन हुआ। इस अवसर सुंदरम फाइनेंस के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अम्बा यज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई अतिवकाम के रेड हिल्स स्थित श्री विद्या शक्तिसर्वोस्वम आश्रम में डॉ. विजय गुरुजी के सान्निध्य में चल रहे अम्बा यज्ञ में अनेक श्रद्धालु उपस्थित हुए। यज्ञशाला के आचार्यश्री नेमीचन्द ने सभी श्रद्धालुओं को संकल्प करवाएं और यज्ञ का शुभारंभ किया। देश विदेश से आए अनेक श्रद्धालुओं ने मां ललितांबा यज्ञ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पोंगल उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के चंद्रप्रभु जैन कॉलेज की महिला परामर्श समिति (डब्ल्यूसीसी) और सांस्कृतिक समिति ने कॉलेज परिसर में पोंगल दिवस समारोह का आयोजन किया जिसमें कॉलेज सचिव ललितकुमार जैन, अध्यक्ष नेमीचंद कटारिया, प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारी सदस्य और छात्र समारोह में शामिल हुए। महिला शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा मीठे पोंगल बनाया गया। वॉलीबॉल कोर्ट में उरी आदिथल और रस्साकशी जैसे कार्यक्रम हुए साथ ही विद्यार्थियों के लिए पारंपरिक खेल जैसे पंडी, बम्बरम, पल्लनकुझी, थायम का भी आयोजन किया गया। सांस्कृतिक समिति ने विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा लोकनृत्य एवं समूह नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न स्टॉल लगाए गए तथा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। सभी पदाधिकारियों व स्कूल प्रबंधन ने विधि-विधान से सूर्य भगवान की पूजा की।

कला, संस्कृति और प्रतिभा का संगम रहा 'अपना उत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माहेश्वरी क्लब के तत्वावधान में चेन्नई के म्यूजिक अकादमी में कला, संस्कृति और प्रतिभा पर आधारित 'अपना उत्सव' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के चेयरमैन सुनील सारडा ने बताया के समाज की उभरती प्रतिभाओं को एक मंच में लाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग विभिन्न आयु वर्ग से प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी। 'अपना उत्सव' में कला और परंपराओं को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने का एक अनूठा प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के को चेयरमैन सुदर्शन मंत्री ने बताया 'अपना उत्सव' अदृश्य थीम पर आधारित था 'अदृश्य को दृश्य कर दिखाना'। अपना उत्सव सिर्फ एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक गहरी सोच और अनगिनत मेहनत का परिणाम था। यह हमारे अस्तित्व, सभ्यता और भावनाओं के इन पहलुओं को उजागर किया जो हमारे जीवन की हिस्सा है, लेकिन अकसर दृष्टिगोचर नहीं होते। इस कार्यक्रम के माध्यम से ब्रह्मांड के निर्माण, ज्ञान की अदृश्य शक्ति, समय के चक्र, आत्मा और परमात्मा के मिलन, वायु की जीवनदायिनी शक्ति, ऊर्जा के विभिन्न रूपों और भावनाओं के गहरे एहसास जैसे विषयों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया।

स्वागत भाषण में श्री माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष ने रविन्द्र डागा ने कहा आज हम यहाँ एक ऐसे आयोजन में इकट्ठे हुए हैं, जो न केवल हमारी कला, संस्कृति और परंपरा को उजागर करता है, बल्कि हमें एकजुट करता है। पिछला 'अपना उत्सव' संजय मूंदड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ था उसे आज फिर से उनके पूर्ण समर्पण, समर्थन और जोश के साथ कर पा रहे है यह सचमुच हमारे दिलों में एक नया उत्साह और उमंग भरता है। अध्यक्ष ने इस अवसर पर इस कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन नेहा फोमरा व सुदर्शन मंत्री ने किया। सचिव मुकुल डागा ने धन्यवाद दिया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा अडियार कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा 140 कैंसर पीड़ित मरीजों व उनके परिजनों को रजत धर्मशाला में अनिता सुरेश कटारिया परिवार द्वारा पूरे दिन का नाश्ता, दिन और शाम का भोजन उपलब्ध कराया गया। भोजन वितरण कार्य में चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, सुरेश कटारिया, पुष्पाबाई नाहर, मंजूबाई तातेड, उषाबाई मेहता, संगीता नाहर आदि ने सेवाएं प्रदान की।

ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के राजस्थान नामदेव छीपा समाज के तत्वावधान में वायसरपाड़ी स्थित विट्ठल नामदेव मंदिर के प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की प्रथम वार्षिक ध्वजा पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारों व विट्ठल भगवान एवं नामदेव जी महाराज के जयकारों की गूंज के साथ लाभार्थी परिवार द्वारा चढाई गयी। इस मौके पर गोपाल छीपा ने बताया कि मंदिर में भगवान श्री पांडुरंग विट्ठल, श्री नामदेव, श्री गणेश, श्री हनुमान, मां सरस्वती एवं श्री शिव परिवार मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा गत वर्ष विधि विधान सहित संपन्न हुई थी।

आचार्य हस्तीमल की जयंती मनाई और संतश्री मिश्रीमल की पुण्यस्मृति दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में इतिहास जैनाचार्य हस्तीमलजी म.सा की 115वीं जयंती व श्रमणसूर्य मरुधरकेसरी श्री मिश्रीमल म.सा की 41 वीं पुण्यतिथि स्वाध्याय भवन में आचार्यश्री विजयराज के आज्ञानुवर्तिनी विदुषी महासती स्वर्णप्रभाजी के सान्निध्य में जप तप त्याग पूर्वक मनाई गई। संचालन श्रावक संघ तमिलनाडु के मंत्री अनोपचन्द बागमार ने किया। लीलमचन्द बागमार ने आचार्य हस्ती के जीवन चरित्र पर सुन्दर रचना से स्तुति की। बालक सम्राट बागमार व स्वाध्यायी कांतिलाल तातेड़ ने महापुरुषों के गुणगान रुप में सुन्दर भजन सुनाया। उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धापूर्वक हस्ती चालीसा की सामूहिक स्तुति की गई।

श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने पीपाड़ में जन्म लेने वाले बालक हस्ती के विपत्ति भरे जन्म काल व बाल्य काल के अनेक प्रेरक संस्मरण सुनाते हुए गुणगान किए। संघ के पूर्व मंत्री जवाहरलाल कर्णावट ने बालक हस्ती व माता रुपकंवर के वैराग्य से दीक्षित समय का उल्लेख किया। पूर्व मंत्री उगमचन्द कांकरिया व उपाध्यक्ष गौतमचंद मुणोत ने सुन्दर भाव गद्य रुप में रखें। स्वाध्याय संघ सहसंयोजक नवरतनमल बागमार ने आचार्य हस्ती की मुख्य प्रेरणा स्वाध्याय को जीवन का अंग बनाने व हर परिवार से एक स्वाध्यायी बनने का निवेदन किया। स्वाध्यायी मनीष जैन ने आचार्य हस्ती के व्यक्तित्व विशिष्ट गुणों पर प्रकाश किया।

स्वाध्यायी विनोद जैन ने आध्यात्म योगी आचार्यश्री हस्ती के पाली से सोजत होते हुए निमाज के संलेखना संथारे के दृश्य का चित्रण किया। युवक परिषद् तमिलनाडु के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल ने प्रतिक्रमण प्रतियोगिता की जानकारी व रविवारीय नैतिक संस्कार शिविर हेतु वर्ष भर के लिए प्रभावना पुरस्कार की स्वीकृति देने के लिए सम्पतराज भण्डारी व सुमेरचंद बागमार का संघ की ओर से आभार व्यक्त किया।

पोंगल उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अग्रवाल विद्यालय एण्ड जूनियर कॉलेज में सोमवार को सूर्यदेव को समर्पित समृद्धि का प्रतीक 'पोंगल पर्व' का आयोजन किया गया। सूर्य के प्रकाश में नए चावल, दूध, गुड़, घी, किसमिस और अन्य मेवे डालकर पोंगल तथा नमकीन सुंडल बनाया गया। प्रभु को प्रसाद अर्पित कर पूजा की गई व बाद में सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य रघुदेव, उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन, शिक्षक विभाग एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

पोंगल उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय में पोंगल उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। स्कूल परिसर को पारंपरिक कोल्लम, रंगोली, पुष्प सज्जा और सजावटी गमलों से सजाया गया था। समारोह की शुरुआत खो-पूजा से हुई। छठी, सातवीं और आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने पारंपरिक तरीके से मिट्टी के बर्तन में मीठा पोंगल तैयार किया। विद्यार्थी पारंपरिक परिधान पहनकर आए। उन्होंने विशेष नृत्य, गीत और सिलंबम प्रस्तुत किया। विशेष पूजा अर्चना की गई तथा प्रसाद वितरित किया गया।

पोंगल एवं मकर संक्रांति की
हार्दिक शुभकामनाएं तथा बधाई
बादलचंद शायरचंद चौरडिया
जैन मैट्रिकुलेशन स्कूल
(श्री एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी की इकाई)
38,General Muttiah Street, Sowcarpet, Chennai-79
99 वर्ष पुराना शिक्षण संस्थान
सर्वोत्कृष्ठ पाठ्यक्रम के साथ
संचालित विद्यालय में छात्रों के लिए पाठन
के साथ ही सर्वांगीण विकास के लिए
अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है।
म्यूजिक, वोकल, सिलंबम, रोबोटिक,
आर्चरी, (धनुर्विद्या) योगा, कराटे,
क्लासिकल डांस, बॉक्सिंग, थिएटर इत्यादि।
पत्रचारक
अजय चोरड़िया
सचिव
सुमेरचंद चोरड़िया

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.